हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

महिला बॉडी बिल्डर आभा कंजुर ने हरिभूमि से खास बातचीत में साझा किया अनुभव

वंदना ठाकुर ने मिस इंडिया बॉडी बिल्डर का खिताब अपने नाम किया

स्त्री हूं, मैं शक्ति हूं, दिव्य कृति और सृष्टि हूं...महिलाओं के लिए इस सूत्र संदेश का सार यही है कि नारी नारायणी है, काली है, दुर्गा है यानी शक्ति की प्रतीक। मौजूदा समय में ताकत की पर्याय बनी इन महिलाओं ने अपनी शक्ति के भरोसे देश-दुनिया में अपना लोहा मनवाया है। शक्ति स्वरूपा इन महिलाओं ने ऐसे काम किए हैं जो कभी पुरुषों के पर्याय थे। बॉडी बिल्डिंग, रेसलिंग, कबड्डी से लेकर हर उस खेल में अपना दम दिखाया और साबित किया कि कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां पुरुषों का ही एकाधिकार रह गया हो। उन्होंने यह भी साबित किया कि उनकी उड़ान छोटी नहीं है, उनके हौसले के आगे आसमां ही छोटा पड़ रहा है। इस उड़ान में उम्र भी महज एक आंकड़ा ही साबित हो रहा है। इनमें कई ऐसी हैं जिनकी शक्ति 50 बरस की उम्र में भी अवार्ड दिला रही है। महिला दिवस के अवसर पर हरिभूमि ऐसी ही शक्तियों की गौरव-गाथा को सामने रख रहा है, ताकि उनके ओज और संघर्ष से हासिल मुकाम से नई पीढ़ी न सिर्फ वाकिफ हो सके, बल्कि उनसे प्रेरणा लेकर खुद भी इस गौरव-गाथा का हिस्सा बन सके।

इच्छा शक्ति को बनाई अपनी ताकत, पॉवर गेम्स में एकाधिकार खत्म

ऐसा लगाया दम तोड़ा पुरुषों का भ्रम

8 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

लड़कियों के लिए मसल्स गेम्स बड़ी चुनौती

रोक-टोक को नजरअंदाज कर बनीं नंबर वन

ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

महिलाओं के शरीर के मजबूत मसल्स और बाइसेप्स की तस्वीरें अक्सर आकर्षक लगती हैं, लेकिन जब कोई महिला किसी बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में बिकिनी पहनकर मंच पर खड़ी होती है, तो समाज का नजरिया बदल जाता है। बॉडी बिल्डिंग करना महिलाओं के लिए आसान कार्य नहीं है। इसके बावजूद, समाज की गलत सोच से पार पाकर भी महिला को अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखना होता है। यह कहना है शहर की 26 वर्षीय आभा कुजुर का, जो पिछले चार वर्षों से बॉडी बिल्डिंग कर रही हैं। हरिभूमि से विशेष बातचीत में आभा ने अपने अनुभव साझा किए। उनका कहना था, किसी भी लड़की के लिए बॉडी बिल्डिंग करना आसान नहीं होता, लेकिन सबसे कठिन कार्य परिवार को यह बात समझाना था।

जब 2022 में मैंने बॉडी बिल्डिंग करने का मन बनाया, तो मेरे माता-पिता ने पूरा साथ दिया, लेकिन समाज के अन्य वर्गों की आलोचनाओं का सामना भी करना ▶▶|शेष पेज 7 पर

कभी हिम्मत नहीं हारी

आभा बताती हैं कि शरीर मजबूत होने से लोग आपका सम्मान करने लगते हैं, जबकि जब शरीर कमजोर होता है, तो समाज और लोग महिलाओं को उसी नजरिए से देखते हैं। कई लड़कियां अब भी बॉडी बिल्डिंग नहीं करतीं, क्योंकि समाज का गलत नजरिया उन्हें देखता है। जब मैंने बॉडी बिल्डिंग की शुरुआत की, तो मुझे बहुत कम समर्थन मिला। माता-पिता को छोड़कर किसी ने मेरा साथ नहीं दिया। समाज के तानों और नकारात्मक टिप्पणियों के बावजूद मैंने हार नहीं मानी, क्योंकि बॉडी बिल्डर बनने के पीछे सालों की कठिन मेहनत छिपी थी। कुछ लोगों के गलत सोचने के बावजूद मेहनत को व्यर्थ नहीं जाने दे सकती थी। जब पहली बार प्रतियोगिता में भाग लेने वाली थी, तब 20 दिन पहले ही मेरी मां का निधन हो गया था। इस मुश्किल घड़ी में मन टूट चुका था, लेकिन मैंने खुद को संभाला ▶▶|शेष पेज 7 पर

वजन बढ़ाने के लिए गई थी जिम

आभा जिम में ट्रेनर हैं। बातचीत में बताया कि 2022 में शरीर बहुत ही पतला हो चुका था और कई प्रयासों के बाद भी वजन नहीं बढ़ रहा था। तब मैं जिम जॉइन किया और वहां बॉडीबिल्डिंग करते हुए लड़के को देखती थी, जिससे प्रेरित होकर मैंने भी बॉडी बिल्डिंग करने का मन बनाया। कोच सुमित की मदद से 8 महीने तक मेहनत की और प्रतियोगिता के लिए अपने शरीर को तैयार किया। इसके बाद, 2023 में पहली बार मिस छत्तीसगढ़ का खिताब अपने नाम किया। आभा अब तक पांच बार मिस छत्तीसगढ़ का ▶▶|शेष पेज 7 पर

जीवन कठिन बन जाता है...

आभा बताती हैं कि जब कोई लड़की बॉडी बिल्डिंग करने का निर्णय लेती है, तो उसका जीवन कई पहलुओं से प्रभावित हो जाता है। शादी, परिवार, समाज और दोस्तों तक पर इसका असर पड़ता है। यह क्षेत्र पुरुषों से ज्यादा जुड़ा हुआ माना जाता है, जिससे महिलाओं के लिए यह और भी चुनौतीपूर्ण बन जाता है। आभा का कहना है कि अगर कोई लड़की इस क्षेत्र में आना चाहती है, तो उसे अच्छे इरादों के साथ आत्मविश्वास से भरे कदमों से आगे बढ़ना चाहिए। समाज की बातों से निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि अपने सपनों की ओर पूरी मेहनत और समर्पण के साथ बढ़ते जाना चाहिए। सिर्फ खुद पर विश्वास रखने से ही वो हर मुश्किल को पार कर सकती है ▶▶|शेष पेज 7 पर

बेंगलुरू की रहने वाली अर्पिता मैडी अपने नाम कर चुकी हैं कई नेशनल और इंटरनेशनल टाइटल

बॉडी फिट, लाइफ हिट, देश को मैडल, खुद को सुकून

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

उम्र के पांचवें दशक में प्रवेश करते ही लोग जीवन में हताश होने लगते हैं। नई शुरुआत करना उन्हें एक कठिन चुनौती लगता है। रोजमर्रा की तरह जिंदगी को ढोते जाते हैं, विशेषकर महिलाएं। शादी के बाद उनकी जिम्मेदारियां कई गुना बढ़ जाती हैं। खुद के कॅरियर और शौक के लिए वक्त निकालना उनके लिए जटिल हो जाता है। लेकिन इन सबके बीच ऐसी महिलाएं भी हैं, जो घर-परिवार की जिम्मेदारी निभाते हुए कार्यक्षेत्र में अपना लोहा मनवा रही हैं और इसके साथ ही अपनी फिटनेस व खेल के जरिए लोगों को स्वस्थ शरीर, खुद से प्यार करने और अपने शौक को ▶▶|शेष पेज 7 पर

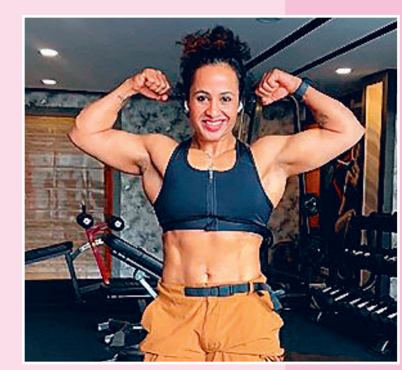

फिलहाल सिंगल, घर में सिर्फ मां

बकौल अर्पिता, जब पहली बार वर्कआउट शुरु किया और बॉडी फिट हुई तो खुद में आत्मविश्वास आया। इसके बाद इसमें मजा आने लगा। जब आपकी बॉडी फिट रहती है तो आत्मा को एक ▶▶|शेष पेज 7 पर

मिस केरल, मिस बेंगलुरू, मिस कर्नाटक के टाइटल

40 वर्षीय अर्पिता बेंगलुरू की रहने वाली हैं। उम्र का यह आंकड़ा सुनते ही आपके ख्याल में महिलाओं की जो छवि सामने आएगी, अर्पिता उससे बिल्कुल उलट हैं। इंटरनेशनल बॉडी बिल्डर और वेट लिफ्टर अर्पिता अपने नाम कई खिताब कर चुकी हैं। फिटनेस ओलंपियाड से लेकर 58 किलोवर्ग में होने वाली राष्ट्रीय स्पर्धाओं में विजेता रही हैं। बॉडी बिल्डिंग स्पर्धा के अंतर्गत होने वाली मिस केरल, मिस बेंगलुरू और मिस कर्नाटक का टाइटल अपने नाम कर चुकी हैं। उनका यह सफर अब भी जारी है। अपनी कहानी साझा करते हुए अर्पिता ने बताया कि उन्होंने स्नातक की डिग्री हासिल की है। घर से कोई भी व्यक्ति खेल या फिटनेस सेक्टर में नहीं है। वे घर की पहली स्पोर्ट्सपर्सन हैं।

जब घर सामने नजर आई, तब भी मैंने हौसला नहीं खोया

मधुरिमा राजपाल ▶▶| भोपाल

नेशनल बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप 2025 में महिला बॉडी बिल्डिंग कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीतकर मिस इंडिया बॉडी बिल्डर का खिताब अपने नाम किया। वंदना ठाकुर इससे पहले मालदीव में भारतीय बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन (आईबीबीएफ) द्वारा आयोजित 15वें वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग और फिजिक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 में कांस्य पदक भी जीत चुकी हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं यह चैंपियनशिप कर रही थी, तभी मेरा कॉम्पटीशन चार बार की विनर

हरियाणा की बॉडी बिल्डर के साथ था और उन्हें हरा पाना शायद नामुमकिन था, लेकिन उनको हराकर मेरा जीतना मेरे लिए बेहद मायने रखता है, क्योंकि जब आपको हार सामने नजर आए बावजूद इसके आपके बुलंद हौसले आपको जीत की कगार पर पहुंचा दें तो इसकी व्याख्या ▶▶|शेष पेज 7 पर

लोगों ने मजाक भी उड़ाया

वंदना कहती हैं कि इसके बाद बॉडी बिल्डिंग के बारे में मुझे पता चला, लेकिन जब मैंने इसमें जाने का सोचा तो लोगों ने मजाक उड़ाया कि महिला हो इसमें जाकर क्या करोगी, लेकिन मुझे पता था कि कुछ ऐसा करना है कि जिससे लग पाए कि मैं एक आर्मी मैन की बेटी हूं और मैंने ठान लिया कि इसी में कुछ करना है और बॉडी बिल्डिंग की शुरूआत की। इसके बाद बीच में कोरोना भी आया, जिसमें मैंने बच्चों को ट्यूशन पढाकर जैसे-जैसे चैंपियनशिप के लिए पैसे जमा किए। और इसमें भी मैंने गोल्ड जीता। इस ▶▶|शेष पेज 7 पर

सपनों का पीछा करते दस दिन में दो बार फतह किया एवरेस्ट और बन गया वर्ल्ड रिकार्ड

सपनों का पीछा करते दस दिन में दो बार फतह किया एवरेस्ट और बन गया वर्ल्ड रिकार्ड

सुरेश रावल ▶▶| जगदलपुर

बस्तर के छोटे से गांव लोहण्डीगुड़ा ब्लॉक के टाकरागुड़ा की रहने वाली युवती ने माउंट एवरेस्ट में फतह हासिल कर ना केवल बस्तर का बल्कि प्रदेश का भी नाम रोशन किया है।

वह देश की पहली महिला पर्वतारोही बन गई, जिसमें महज 10 दिनों के कम समय में हिमालय के विश्व की 2 ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट 8848.86 मीटर व माउंट लोहत्से 8516 मीटर की चढ़ाई माइनस 40 और 50 डिग्री सेल्सियस पर जहां ऑक्सीजन की कमी और प्रति घंटे 70 से 80 की स्पीड में चलने वाली हवा के बीच पहुंची। नैना सिंह धाकड़ के

हौसले के आगे तमाम परेशानियां और विपरित परिस्थितियां भी आड़े नहीं आई। उसने तिरंगा फहराने के बाद श्री राम का झंडा फहराकर जयकारा करने वाली पहली सनातनी महिला का खिताब भी अपने नाम किया हैं। साथ ही वीर शहीदों को श्रद्धांजलि व आम जनता के लिए सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा गीत उन चोटियों में गाकर रिकॉर्ड बनाया हैं।

हरिभूमि से चर्चा में नैना ने बताया कि 2 ऊंची चोटी को 10 दिनों के कम समय में फतह हासिल करने के कारण वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी नाम दर्ज हुआ है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उसे साहस और रोमांच के कारण तेनजिंग नोर्गे अवॉर्ड 2022 में सम्मानित किया है। वह पुलिस प्रशासन, पतंजलि योग समिति और स्वच्छ जगदलपुर की ब्रांड एंबेसेडर है।

विवेकानंद की शिक्षाओं से मिली प्रेरणा

नैना, स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं से प्रेरित थीं और सामाजिक मानदंडों से मुक्त होकर अपने सपनों का पीछा करने के लिए दृढ़ संकल्पित थीं। उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प ने उन्हें दोनों चोटियों के शिखर पर पहुंचाया और यह उपलब्धि हासिल करने वाली दुनिया की कुछ महिलाओं में से एक बन गईं। वह हमेशा ▶▶|शेष पेज 7 पर

भोपाल से मधुरिमा राजपाल की रिपोर्ट

भावना टोकेकर ने कहा कि जब 39 साल की ऐज में मुझे पावर लिफ्टिंग का क्रेज हुआ और मैं एशियन खेलने के लिए मुझे रशिया जाना था, लेकिन उसमें तीन चार लाख रुपए खर्च होते। क्योंकि, इससे पहले मैं एक हाउस वाइफ थी और मूड चेंज के लिए जिम जाना शुरू किया। ऐसा इसलिए क्योंकि 40 साल की उम्र में मेरी स्किन में दवा के साइड इफेक्ट की वजह से सूजन आ गई थी और फिर पावर लिफ्टिंग से बॉडी स्ट्रेंग्थ बढ़ने से होने वाले फायदों के बारे में जानने के बाद मैंने इसे कंटीन्यू रखने का मन बनाया।

भावना टोकेकर ने 39 साल में शुरू की पावर लिफ्टिंग

एशियाई पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं भावना

हाउस वाइफ थी, मूड चेंज करने जिम का रुख किया और बन गईं शक्तिमान

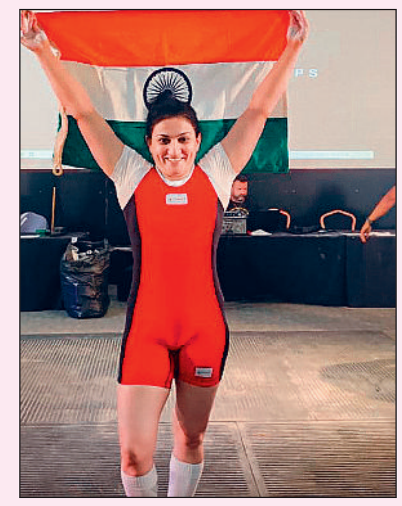

दिमाग में सिर्फ सफलता की बात चलती है

उन्होंने कहा कि पहली बार 2019 में रूस के चेल्याबिंस्क में एडब्ल्यूपीसी/डब्ल्यूपीसी की एशियाई पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में मैंने चार स्वर्ण पदक जीते। लेकिन जब आप पॉवर लिफ्टिंग या किसी भी कॉम्पिटीशन में भाग लेते हो तो दिमाग में सिर्फसफलता की बात चलती है कि आपको यह करना ही है और गोल एचीव करना है और तब रैफरी आपको ओके कर देता है तब आपको रियालाइज होता है कि आपने कर लिया। उस दस सेकेंड में आपको अपनी सालों की मेहनत याद आती है और गोल एचीव होने के बाद दिमाग में सुकून और सफलता का अहसास होता है जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। भावना ने कहा कि अभी मेरा पिछला गोल्ड हैदराबाद में 80 केजी बेंच प्रेस में रिकार्ड बनाया और गोल्ड जीता। साथ ही ब्रिटेन के मैनचेस्टर में विश्व पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप (मास्टर्स) में उन्होंने चार नए वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर सभी को चौंका दिया था।

भावना ने बनाए ये रिकॉर्ड

भावना टोकेकर ने 50-54 एज ग्रुप प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने स्क्वाट में 102.5 किग्रा के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया। पिछला रिकॉर्ड 90 किग्रा था। बेंच प्रेस्ड में 80 किलोग्राम का वजन उठाया, पिछला रिकॉर्ड 40 किग्रा था। फिर 132.5 किग्रा (पिछला रिकॉर्ड 105 किग्रा) का डेडलिफ्ट पूरा किया। उनका कुल 315 किग्रा भार उठाना भी एक विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि अगस्त में यूएसए में इंटरनेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप है उसके लिए खुद को तैयार कर रही हूं।

एक हाउसवाइफ से वर्ल्ड चैंपियन बनना मेरे और बच्चों के लिए गर्व का विषय

मध्यप्रदेश के विदिशा जिले की जन्मी भावना टोकेकर ने बड़ी उम्र में मिसाल कायम की है। भावना ने कहा मेरी इस सफलता में परिवार का पूरा योगदान है क्योंकि मेरे पति श्रीपद टोकेकर भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन रह चुके हैं। कारगिल युद्ध में वीरता के लिए वायु सेना पदक भी जीता था। साथ ही मेरे दो बच्चे हैं, उन्होंने हमेशा मुझे मोटिवेट किया और कहा कि मम्मा आप कर सकती हो। जब पहली बार मैंने पावर लिफ्टिंग में गोल्ड जीता तो बच्चों की खुशी का ठिकाना नहीं था। आज दोनों हॉस्टल में हैं और मुझे मोटिवेट करते रहते हैं। दोनों ही अपने रूममेट्स और फ्रेंड्स को बताते हैं कि मेरी मम्मी वर्ल्ड चैंपियन हैं तो यह उनके लिए भी और मेरे लिए भी प्राउड का विषय है कि एक हाउसवाइफ से मैं एक वर्ल्ड लेवल चैंपियन बन पाई हूं।

भोपाल से प्रवीण सक्सेना की रिपोर्ट

एवरेस्ट की चोटी से 10 मीटर पहले आंखों में थे आंसू

भोपाल। राजधानी की माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली करीब 56 वर्षीय महिला ज्योति रात्रे ने गत वर्ष 19 मई 2024 को एवरेस्ट फतह किया था। इसके साथ ही वे अंटार्कटिका के माउंट विल्सन तक पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज पहली महिला भी हैं। उन्होंने बताया कि जब वे माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचने वाली ही थीं कि वे बेहद भी भावुक हो गईं और उनकी आंखों में आंसू आ गए और वे भाव शून्य हो गई थीं यानि एक ब्लैक आऊअ सा छा गया था। यूं लगा जैसे सब कुछ मिल गया हो। 48 वर्ष की आयु में पहाड़ चढ़ना सीखने वाली ज्योति को लगा कि आखिर उनकी कई साल की मेहनत सफल जो होने वाली थी। ज्योति ने बताया कि उनका माउंट एवरेस्ट की चोटी तक पहुंचने का ख्वाब इसके भी एक साल पहले यानि 2023 में ही पूरा हो जाता, लेकिन वे एक बर्फीले तूफान की वजह से मात्र 600 मीटर से ही वापस लौट आई थीं। उन्होंने बताया कि इस तूफान में 18 लोगों को उन्होंने मरते हुए देखा है। वहीं इस हादसे में 5 लोग मिसिंग भी थे। इसलिए उन्होंने अपने शेरपा को एक व्यक्ति की खोज में भेज दिया था जो इस सफर में उनके साथ ही था। इसके बाद वे उन्होंने अपना अभियान वहीं रोक दिया और लौट आईं। ज्योति ने बताया कि उनके इस अभियान से वे ऐसी महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं जो कहती हैं कि अब तो उम्र ही निकल गई है। ऐसे में अब वे क्या करेंगी। तब ज्योति क्हती हैं कि अभी तो बहुत कुछ बाकी है। आप अब भी बहुत कुछ कर सकती हैं, बस एक बार मेरी तरफ देख लें।

माउंटेनेयर ज्योत रात्रे

इस दुर्गम माउंट पर मप्र से अभी तक कोई नहीं गया

ज्योति ने बताया कि अंटार्कटिका के विल्सन माउंट तक पहुंचने का सफर उनका बेहद ही रोचक रहा है। उन्होंने बताया कि जब मैंने अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी माउंट विन्सन (4892 मीटर) पर चढ़ाई की योजना बनाई, तो यह एक सपने को साकार करने जैसा था। यह यात्रा केवल एक शारीरिक चढ़ाई नहीं थी, बल्कि मानसिक और भावनात्मक दृढ़ता की भी परीक्षा थी। ये अभियान उन्होंने इसी साल 7 जनवरी को पूरा किया है। इसके लिए वे दिसंबर में वहां गई थीं। उन्होंने बताया कि इस दुर्गम माउंट पर मप्र से अभी तक कोई नहीं गया है क्योंकि वहां का तापमान माइनस में काफी नीचे तक होता है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अंटार्कटिका में 6 माह का दिन और 6 माह की ही रात होती हैं। इसका अनुभव उन्होंने खुद लिया है कि वहां सूर्य अस्त न होकर वहीं-वहीं घूमता रहता है।

स्टूडेंट लाइफ में था शौक अब विभाग का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड में ही कार्यरत कंचन ठाकुर कैरम में अपने विभाग का प्रतिनिधित्व करती हैं। इंजीनियरिंग की पढ़ाई रायपुर एनआईटी (तत्कालीन जीईसी) से हुई है। पढ़ाई के दौरान वे माइंड रिफ्रेश करने के लिए कैरम खेला करती थीं। उस वक्त कभी आधिकारिक प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया। नौकरी के दौरान विभाग का प्रतिनिधित्व खेल में करने लगीं। राज्य स्तरीय स्पर्धा में वे कई टाइटल जीत चुकी हैं। बीते एक दशक से भी अधिक समय से नेशनल में स्टेट का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उनके पति महेश ठाकुर क्रिकेट स्पर्धा में छग पॉवर कंपनी का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका बेटा अंशुमन भी छग क्रिकेट अंडर-14 में राज्य की ओर से खेलता है।

खुद का अस्तित्व बनाए रखें

उम्र के पांचवें दशक में कदम रख चुकीं रायपुरा निवासी कंचन प्रैक्टिस के लिए रोजाना एक घंटे का समय देती हैं। वह कहती हैं, मैं अपना बचा हुआ समय खेल को देना पसंद करती हूं। नौकरी, परिवार की जिम्मेदारी और खेल के मध्य सामंजस्य बैठाना पड़ता है। हर महिला में कोई ना कोई हुनर जरूर होता है। उन्हें चाहिए कि वे अपना अस्तित्व बनाए रखें। परिवार संभालना और बच्चों का लालन-पालन हमारी जिम्मेदारी है, लेकिन आप किसी और के नाम से ना जानी जाएं बल्कि आपका अपना अस्तित्व हो।

5 लाख का कर्ज लेकर गईं खेलने

अंतरराष्ट्रीय तलवारबाजी में रजत पदक जीतकर लौटी मजदूर की बेटी

तमाम अभावों को दूर करते हुए रुपाली साहू ने यह बता दिया है कि मन से ठान लिया जाए तो कुछ भी असंभव नहीं है। मजदूर की बेटी रुपाली साहू ने कमाल करते हुए कामनवेल्थ तलवारबाजी चैंपियनशिप में सिल्वर मैडल जीता है। यह प्रतियोगिता न्यूजीलैंड के क्राइस्ट चर्च में खेली गई थी। यहां तक पहुंचने के लिए लेकिन रूपाली को विदेशी खिलाड़ियों के साथ ही अपनी आर्थिक परेशानियों से भी जूझना पड़ा। न्यूजीलैंड जाने के लिए उन्हें करीब 5 लाख रुपए की जरूरत थी, इसके लिए उनके पिता राजेन्द्र साहू ने उधार लिया और बेटी को खेलने भेजा। पिता के मुताबिक पढ़ाई के लिए लोग लोन या कर्ज लेते हैं तो क्या खेलने के लिए उधार नहीं लिया जा सकता। रुपाली ने बताया कि खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने भी सहयोग राशि दी है और विदेश भेजने में मदद की।

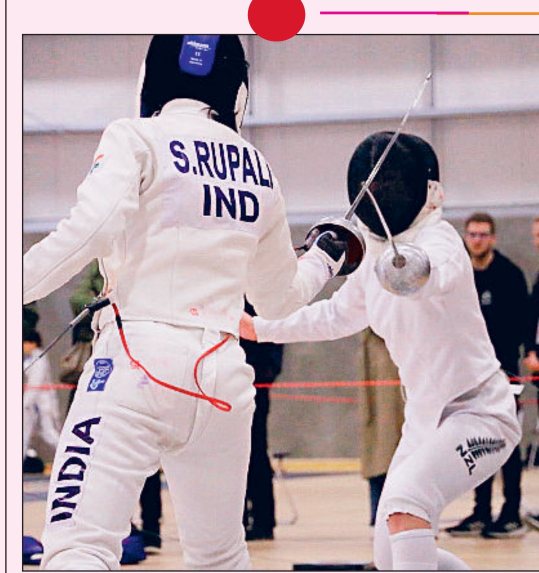

न्यूजीलैंड के क्राइस्ट चर्च में इंग्लैंड, स्काटलैंड सहित आठ देशों की टीमों ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

कॉमनवेल्थ तलवारबाजी चैंपियनशिप न्यूजीलैंड में खेली गई। इस प्रतियोगिता में भारत के साथ ही मेजबान न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, स्काटलैंड सहित आठ देशों की टीमों ने हिस्सा लिया। भारत ने टीम चैंपियनशीप में रजत पदक जीता। फाइनल में टीम को इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था। भारत की टीम में रुपाली के अलावा 4 और सदस्य थीं। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं कोच अभिषेक दुबे ने बताया कि रुपाली का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता एवं गोवा में आयोजित हुए 37 वें राष्ट्रीय खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया था।

12 नेशनल और 14 स्टेट गेम्स में पदक

रुपाली ने बताया कि वह 12 साल की उम्र से तलवारबाजी खेल रही हैं। फिलहाल उनकी उम्र 16 साल है और 12 वीं कक्षा की छात्रा है। पिछले 5 सालों में रुपाली ने 12 नेशनल और 14 स्टेट गेम्स में खेलते हुए पदक जीता है। नेशनल गेम्स में उन्होंने सब जूनियर और जूनियर वर्ग में सिल्वर मैडल प्राप्त किया है। रुपाली के पिता राजेन्द्र साहू मिस्त्री हैं जो कि दिहाड़ी पर काम करते हैं। मां गृहणी है। एक छोटा भाई है जो कि 9 वीं पढ़ता है। आर्थिक परेशानियों से जूझते हुए रुपाली ने पढ़ाई के साथ अपने खेल को जारी रखा। रुपाली बताती हैं कि मैदान पर साथी खिलाड़ियों से उन्हें काफी सहयोग मिला। छोटी-छोटी बचत के सहारे उन्होंने पैसा जमा किया और खेल के सामान खरीदे।

तलवारबाजी के इक्यूमेंट काफी महंगे

चिंगराजापारा के छोटे से घर या उसे झोपड़ी कहें में रहने वाली रुपाली ने बताया कि कामनवेल्थ में जाने से पहले एक महीने तक पटियाला में आयोजित विशेष कैंप में प्रशिक्षण लिया। रुपाली के सामने लेकिन आर्थिक परेशानी थी। इसमें वीजा से लेकर आने जाने और दूसरे खर्चे शामिल थे। रुपाली ने बताया कि जब वे नेशनल खेलने जा रहीं थी तो उसके बाद बेहतर तलवार नहीं था। कोच ने उन्हें अपना तलवार दिया और उससे खेलकर उन्होंने सिल्वर मैडल प्राप्त किया। रुपाली बताती हैं कि तलवारबाजी के इक्यूमेंट काफी महंगे आते हैं इसलिए कई बार परेशानी हुई लेकिन सबसे कम कीमत का जो तलवार और दूसरे सामान आते हैं उसे खरीदकर मैदान में उतरतीं थीं।

पैरों से दिव्यांग होने के बाद भी रिले रेस तैराकी में एशियन रिकॉर्ड बनाया है

अंजनी ने गांव के तालाब से निकलकर कामनवेल्थ गेम्स तक का तय किया सफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

अंतरराष्ट्रीय तैराक अंजनी पटेल ने अपने ननिहाल के छोटे तालाब से तैराकी का सफर शुरू किया और कानमवेल्थ तक पहुंच गईं। साथ ही कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियागिता में हिस्सा लेकर मैडल पर कब्जा जमाया है। अंजनि ने पैरों से दिव्यांग होने के बाद भी रिले रेस तैराकी में एशियन रिकॉर्ड बनाया है। वे 60 प्रतिशत दिव्यांग हैं फिर भी हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी इस कमजोरी को पीछे छोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहचान बनाई और दूसरों के लिए मिसाल बनीं। छत्तीसगढ़ सरकार ने उन्हें उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किया है। फिलहाल वे खेल एवं युवा कल्याण विभाग बिलासपुर में डाटा आपरेटर के पद पर कार्यरत हैं। अंजनी वैसे तो जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा में जन्मीं लेकिन उनका ननिहाल कोटमीसोनार है। वहां के जगन तालाब से तैराक बनने का सफर शुरू किया। कड़ी मेहनत और लगन से उन्होंने यह सफलता अर्जित की। उन्होंने दिल्ली में 2010 में कामनवेल्थ के पैरालिंपिक में 100 मीटर और 50 मीटर फ्री स्टाइल प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व किया और फाइनल राउंड में अपनी जगह बनाई। उनका कहना है कि वैसे तो संघर्ष काफी रहा। तालाब से स्वीमिंग पुल में तैरना आसान नहीं था, लेकिन विशेष ट्रेनिंग से रास्ते आसान होते गए।

शहीद राजीव पांडे खेल से सम्मानित

अंजनी ने जून 2007 से खेलना प्रारंभ किया। 2007 में उत्तरप्रदेश में यमुना नदी के गौघाट में प्रतियोगिता हुई। इसमें कांस्य जीता। इसके बाद दिसंबर 2007 में आठवीं दिव्यांग तैराकी चैंपियनशिप में बैकस्ट्रोक में रजत, 2008 में इलाहाबाद (प्रयागराज) में रजत पदक अपने नाम किए। 2008 में ही पुणे में राष्ट्रीय दिव्यांग तैराकी प्रतियोगिता में 100 मीटर फ्री स्टाइल में सीनियर वर्ग में स्वर्ण, 2009 में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अलग-अलग इवेंट में चार स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। अंजनी पटेल शहीद राजीव पांडेय राज्य खेल पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं।

कंडक्टर की बेटी ने पाया मुकाम

अंजनी ने बताया कि प्रत्येक तैराक को दो-दो घंटे समुद्र में तैरना था। दो घंटे में तीन किलोमीटर का सफर तय करना था। एक के थकने के बाद दूसरे को उतारा जाता था। अंजनी तीसरे नंबर पर उतरीं और दो घंटे में तीन किलोमीटर का सफर पूरा किया। अंजली ने बताया कि रिकॉर्ड बनाने के पूर्व एक महीने का कैंप पुणे में आयोजित किया गया, जिसमें कोच रोहन गोरे ने सभी को तैयार किया। अंजनी बताती हैं कि शुरू से ही परिवार की आर्थिक हालात ठीक नहीं रही। पिता बस कंडक्टर थे। जब अंजनी ने बिलासपुर में नौकरी शुरू की तो पिता को कंडक्टरी करने से रोक दिया।

रायपुर
शनिवार, 8 मार्च 2025
फाल्गुन शुक्ल पक्ष नवमीं
वर्ष : 23, अंक : 231
पृष्ठ : 12+8+4 = 24 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 34.5
न्यून. 16.7

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज

फौलादी नगरी भिलाई का फौलादी जज्बा, प्रभा ने पावर लिफ्टिंग से लेकर स्काई ड्राइविंग तक जौहर दिखाया

चार दशक का संघर्ष और नाप लिया

जमीं से आसमां

विमलशंकर झा ▶▶| भिलाई

देश में औद्योगिक तीर्थ के नाम से जाने जाने वाले भिलाई में फौलाद ही नहीं ढाला जाता, बल्कि प्रतिभाएं भी गढ़ी जाती हैं। खेलों में महिलाएं पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर देश विदेश में परचम लहरा रहीं हैं, वरन कुछ क्षेत्रों में पुरुषों से भी आगे बढ़ रही हैं। इस्पात नगरी की पचास पार की बहूमुखी प्रतिभा की धनी प्रभा ठाकुर हुसैन स्पोर्ट्स में एक ऐसी अनूठी एंग्री वूमेन हैं, जो अपने शारीरिक दमखम और हौसले से कई खेलों और एडवेंचर में देश दुनिया में भिलाई और प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। 57 वर्षीय यह प्रतिभाशाली स्पोर्ट्स एंड एडवेंचर एंग्री वूमेन अंतर्राष्ट्रीय क्षितिज पर जमीन से लेकर आकाश तक गजब का जौहर दिखा रही हैं।

जिस उम्र में लोग रिटायरमेंट के करीब होते हैं और थकान के साथ शरीर में बीपी, शुगर जैसी बीमारियां घर बनाने लगती हैं, उस आयु में यदि कोई महिला बहूप्रतिभा और साहस की मिसाल बन जाए तो सुखद आश्चर्य होता है। हरफनमौला महिला प्रभा हुसैन की भिलाई की पहली महिला पावर लिफ्टर होने से लेकर फर्राटा वूमेन और स्काई डाइवर बनने तक की चार दशक से अधिक की कहानी जितनी संघर्षपूर्ण है, उतनी ही प्रेरक भी है। प्रभा बताती हैं कि बीएसपी सेक्टर दो गर्ल्स स्कूल में पढ़ते हुए 1975 में 5वीं से 8 वीं में खोखो से खेलों का सफर शुरु किया। 11 कक्षा में पढ़ते हुए व कल्याण कालेज में बतौर एनसीसी कैटेड 1984 और 87 में 2 बार गणतंत्र दिवस परेड दिल्ली में प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर नेशनल गेम में 8 सौ, 3 हजार व 5 हजार मीटर मैराथन दौड़ में द्वितीय स्थान मिला। 87 में पूना में 21 किमी की अंतर्राष्ट्रीय मैराथन दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्हें पीएम इंदिरा, राजीव, राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने सम्मानित किया।

आगे नेशनल पंजा कुश्ती, पावर लिफ्टिंग फिर अंतरराष्ट्रीय मैराथन दौड़ सहित कई खेलों में, होंगे सबसे आगे हिंदुस्तानी... का गौरवशाली सिलसिला आज 57 के पायदान पर पहुंचते तक हवाई जहाज से जंपिंग के स्काई डाइविंग के साहसिक एडवेंचर तक बना हुआ है। दौड़ (रनिंग) व स्काई डाइविंग के जुनून ने अंतर्राष्ट्रीय शोहरत दिलाई। भिलाई में नेशनल पंजा कुश्ती में गोल्डज व पावर लिफ्टिंग में प्रथम आकर राज्य की पहली महिला पावर लिफ्टर होने का गौरव हासिल किया। यहां तक पहुंचने में बीएसपी में कार्यरत पिता वीरेंद्र बहादुर सिंह और शादी के बाद बीएसपी में कार्यरत रहे और बास्केट बाल खिलाड़ी ▶▶| शेष पेज 7 पर

परिवार से मिलती है रेसिंग के लिए स्टेमिना

सत्तावन वर्षीय प्रभा हुसैन परिवार को संभालते, संवारते हुए उतनी ही स्प्रिट और स्टेमिना से आगे बढ़ रही हैं, जितना शादी के पूर्व दौड़ रही थी। अब अपना पूरा फोकस मैराथन दौड़ व स्काई डाइविंग पर किया हुआ है। उन्होंने 55 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में वर्ष 2024 में एम्सटर्डम नीदरलैंड में 140 देशों के 48 हजार प्रतिभागी वाले इंटरनेशनल मैराथन दौड़ में भारत का प्रजेंटेशन किया। इसके पूर्व नेशनल प्रतियोगिता में 5 हजार मीटर दौड़ व लंबी कूद में में भारत में प्रथम और 15 सौ मीटर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इतना ही नहीं, वे 2022 में मेदिनापुर बांग्लादेश में 5 किमी दौड़ में प्रथम,15 सौ मीटर में द्वितीय व 23 में हैदराबाद में 15 मीटर के मैराथन दौड़ में द्वितीय स्थान मिला। रेसिंग के अलावा उड़नपरी प्रभा आसमानी गोताखोरी के एडवेंचर में भी कमाल दिखा रही हैं। उन्होंने 2022 में दुबई में स्काई डाइविंग गेम में हवाई जहाज से 13 हजार फीट ऊंचाई से हवा में हैरतअंगेज छलांग लगाई। इसके बाद 24 में नीदर लैंड टैक्सल आईलैंड में भी दूसरी बार 13 हजार फीट ऊंचाई से जंप कर दुनिया को रोमांचित किया। ऋषिकेश हिमालय में हजारों फीट नीचे खाई में वे बंजी जंपिंग भी कर चुकी हैं। बुलेट मोटर सायकल व जीप में भी करतब दिखाने वालीं प्रभा अब कुछ नया कीर्तिमानी ▶▶| शेष पेज 7 पर

- बीएसपी सेक्टर दो गर्ल्स स्कूल में पढ़ते हुए 1975 में खोखो से खेलों का शुरु किया सफर
- नेशनल गेम में 8 सौ, 3 हजार व 5 हजार मीटर मैराथन दौड़ में मिला द्वितीय स्थान

स्ट्रांग वूमेन अंजू फिटनेस के शौक ने बना दिया चैंपियन

हफीज खान ▶▶| राजनांदगांव

लक्ष्य, हौसला और जुनून जब तीनों मिल जाते हैं तो किसी भी असंभव कार्य को संभव बनाने के लिए ज्यादा वक्त नहीं लगता है। शारीरिक शक्ति के लिए पहले मानसिक मजबूती की जरूरत होती है। जज्बा और साहस हो तो फिर उम्र भी आड़े नहीं आती है। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है राजनांदगांव के पुलिस विभाग में पदस्थ प्रधान आरक्षक अंजू सिंह ने। वह अपने अथक परिश्रम से पावर लिफ्टिंग के क्षेत्र में अपनी शारीरिक शक्ति का लोहा मनवा रही है। 50 की उम्र में भी अंजू सिंह ने दर्जनों राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते गोल्ड और सिल्वर सहित कई मेडल हासिल किए हैं।

फिटनेस से मिला लक्ष्य

प्रधान आरक्षक अंजू सिंह का कहना है कि लगभग 10 वर्ष पहले उन्होंने फिटनेस के तौर पर जिम ज्वाईन किया था। यहां वर्जिश के दौरान उनके प्रशिक्षक आकाश सोनी ने उन्हें पावर लिफ्टिंग के क्षेत्र में जाने की प्रेरणा दी और उन्होंने पावर लिफ्टिंग के खेल को अपना लिया। ▶▶| शेष पेज 7 पर

पचास की उम्र में भी दिखा रही दम, 12 नेशनल और 16 स्टेट मैच में जीते कई पदक

हौसला जरूरी, उम्र बाधा नहीं

अंजू सिंह कहती है कि किसी लक्ष्य को प्राप्त करने उम्र बाधा नहीं होती, बल्कि उस लक्ष्य के प्रति जुनून होना चाहिए। उन्होंने महिला दिवस पर अन्य महिलाओं को भी संदेश देते कहा है कि आप जिस भी क्षेत्र में काम कर रहे हैं, उसे पूरी लगन और निष्ठा से करें तो सफलता जरूर मिलेगी।

धरती से लेकर लद्दाख की 17000 फीट की ऊंचाई पर भी किया रन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

धरती से लेकर पर्वत की बुलंदियों तक अपने जोश, जुनून और हौसले से दौड़कर प्रियंका श्रीरंगे ने नई इबारत लिख दी है। कभी एक किलोमीटर तक दौड़ने पर थकान महसूस करने वाली प्रियंका श्रीरंगे आज 50 किलोमीटर की प्रोकैम स्लैम फिनिशर बन गई है।

धावक प्रियंका श्रीरंगे राजनांदगांव में जिला रजिस्ट्रार के पद पर पदस्थ है। उन्होंने राजनांदगांव रनर्स ग्रुप से जुड़कर दौड़ का अभ्यास किया। शुरूआत में उन्हें एक किलोमीटर दौड़ना भी मुश्किल लगता था, लेकिन इसके बाद उन्होंने डॉ. दीपिका पटेल के मार्गदर्शन में दौड़ना शुरू किया और फिर उन्होंने स्वयं को एक मजबूत धावक के रूप में प्रस्तुत किया। ▶▶| शेष पेज 7 पर

कभी एक किमी दौड़ने का जुनून ऐसा कि 50 किमी की दौड़ भी हो गई आसान

रायपुर की दौड़ से मिला प्रोत्साहन

प्रियंका श्रीरंगे ने अपनी इस सफर की शुरूआत वर्ष 2019 में रायपुर के पिंकाथॉन में अपनी रनिंग यात्रा से शुरू की और इसके बाद हाफ मैराथन, फुल मैराथन और अल्ट्रा मैराथन में भाग लिया। उन्होंने वर्ष 2020 में टाटा मुंबई मैराथन, लेट्स रन रायपुर, 2021 में लेट्स रन रायपुर, 2022 में लद्दाख हाफ मैराथन में 17000 फीट की ▶▶| शेष पेज 7 पर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हरिभूमि विशेष

कविता जोशी/नई दिल्ली। न रहने के लिए घर, न खाने के लिए दो वक्त की पूरी रोटी, न पहनने-ओढ़ने के लिए बराबर कपड़े। लेकिन इन तमाम दुश्वारियों के बावजूद मां को देखकर मिला एक हौसला ही था कि जिंदगी में कुछ ऐसा जरूर करना है जो बाकी के लिए मिसाल बन जाए। इन चंद पंक्तियों में छिपी है एक साधारण सी साइकिल से कई बार अकेले भारत भ्रमण कर चुकी देश की जानी-मानी एकल साइक्लिस्ट मध्य-प्रदेश की रहने वाली 26 वर्षीय आशा मालवीय के जीवन की पूरी कहानी। जो आज न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया में करोड़ों महिलाओं को अपने घर की चारदीवारी लांघकर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे रही हैं। 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2025' पर हरिभूमि ने आशा से फोन पर खास बातचीत की और उनकी मुश्किल साइकिल यात्राओं, जीवन के संघर्षों से सीखे अनुभवों से लेकर महिलाओं के लिए दिए प्रेरणादायक संदेश को जाना। पेश है बातचीत के अंश-

साइकिल से कन्याकुमारी से सियाचिन पहुंची 'आशा' बनी करोड़ों महिलाओं की 'आशा'

'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2025' पर हरिभूमि से खास बातचीत की साइकिल से भारत भ्रमण कर चुकी जानी-मानी साइक्लिस्ट आशा मालवीय ने

आपका शुरुआती जीवन कैसा था?

मैं मध्य-प्रदेश के राजगढ़ जिले के नाटाराम गांव की रहने वाली हूं। मेरे परिवार में मेरी मां और एक छोटी बहन है। जीवन की शुरुआत ही परेशानियों से हुई, मैं दो या तीन साल की रही होंगी तभी मेरे पिता का देहांत हो गया। परिवार में मैं, मेरी मां और एक बहन थे। रहने के लिए एक झोपड़ी, घर नहीं जिसे चारों तरफ से पॉलीथिन से ढका गया था। मेरी मां हम दोनों बहनों को पालने के लिए मजदूरी करती थी। उनके पास पहनने के लिए पैरों में चप्पल तक नहीं थी, लेकिन किसी तरह से मजदूरी कर जो पैसा मिलता। उससे ही गुजारा होता। मुझे आज भी याद है कि कभी हम एक वक्त के खाने का जुगाड़ गांव में किसी से मांग कर करते थे तो कभी खाने को कुछ नहीं मिलता था।

अपने जीवन में किससे प्रेरणा मिली?

मेरे जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा मेरी मां हैं। उन्होंने ही मुझे पाल-पोसकर इतना बड़ा किया है। मां को देखकर लगता था कि अगर उन्होंने अपने जीवन में कभी हार नहीं मानी तो मैं क्यूं मानू। हमें अपने जीवन में ये हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारे हर निर्णय के लिए हम ही जिम्मेदार होंगे, दूसरा कोई नहीं। जब भी कोई काम करे तो सबसे पहले अपने मन की सुनें, दुविधा में कोई काम हाथ में नहीं लेना चाहिए। जब मैं अकेले साइकिल से भारत भ्रमण पर निकल रही थी तो मुझे पता था कि ये निर्णय मेरा है और इसे पूरा भी मुझे ही करना होगा। एक बार कोई मुश्किल काम हाथ में लेने के बाद जब वो पूरा होता है तो उसका अपना ही मजा होता है।

इतनी चुनौतियों के बाद पढ़ाई कैसे पूरी की?

पांचवीं कक्षा तक गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ाई करते वक्त मेरी मां के एक परिचित ने हमें कुछ मदद दी। मैं पढ़ने में अच्छी थी, इसलिए जो मदद मिली वो बहुत का काम कर गई। दसवीं में पहुंची तो पढ़ाई के साथ थोड़ा-बहुत नौकरी करना शुरू किया। मेरे स्कूल के पास बाइक का कुछ काम होता था, वो किया। फिर एक प्राइवेट नौकरी के साथ-साथ स्नातक और परास्नातक की डिग्री ले ली है।

सबसे ज्यादा चुनौती कहां आई?

कुल 17 हजार 500 किमी. की मेरी यात्रा का सबसे चुनौतीपूर्ण चरण लेह-लद्दाख में देखने को मिला। जहां मैंने खारदूंगला, बारालाचा और उर्मिंगला जैसे अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित कुल 11 दर्रों को पार किया। इन जगहों पर ऑक्सीजन की काफी कमी थी, मेरी साइकिल नॉर्मल थी, कई बार टूटी, मैं गिरी भी लेकिन फिर जैसे-तैसे मैंने साइकिल खुद से ठीक की। कभी इतनी दिक्कत होती थी, रास्ता इतना मुश्किल होता कि उसमें साइकिल चल ही नहीं पाती थी तब मैं अपनी साइकिल हाथ से उठाकर ही आगे बढ़ती थी। शुरुआत में मेरे पास कोई सपोर्ट नहीं था। लेकिन बाद में मुझे सेना की मदद मिली, मेरी यात्रा के पड़ाव में रुकने के लिए उन्होंने सहायता की। यात्रा में मैं दिन रात दोनों समय साइकिल चलाती हूं।

देश की महिलाओं को क्या संदेश देना चाहेंगी?

साइकिल चलाना सिर्फ मेरी रुचि नहीं बल्कि इससे मैं अपने देश, दुनिया की महिलाओं को जागरूक करना चाहती हूं। क्योंकि आज भी महिलाएं ये सोचती हैं कि उन्हें घर से बाहर जाने के लिए किसी की मदद की जरूरत है। वो अकेले कहीं नहीं जा सकती हैं, सुरक्षा को लेकर खतरा है। मुझे इसी सोच को बदलना था कि महिलाएं ये नहीं कर सकतीं, वो नहीं कर सकतीं। मैं अपने संदेश में यही कहूंगी कि जिंदगी में जो भी करें, पूरे विश्वास से करें, अपने मन की आवाज को सुने, सफलता जरूर मिलेगी। रही बात साइकिल से देश घूमने की तो इससे जितना स्वास्थ्य को फायदा होता है, उतना गाड़ियों से संभव नहीं है। साइकिल चलाकर हम शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से फिट रहते हैं।

यात्रा में कैसा दिखा अपना देश?

यात्रा में मैंने सबसे ज्यादा मौसम के बदलाव महसूस किए हैं। ये मेरे लिए एक बड़ी चुनौती भी रहे। जब मैंने पिछले साल जून में कन्याकुमारी से सियाचिन तक अपनी साइकिल यात्रा शुरू की तो कन्याकुमारी में मौसम बिलकुल अलग था, उससे आगे बढ़ने पर कुछ और फिर अंत में लेह, लद्दाख और सियाचिन आते-आते पूरा नजारा ही बदल गया। उसने मेरी भारत को देखने की पूरी सोच ही बदल दी। आज जब मैं महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर अपना संदेश देती हूं तो उसमें भी कहती हूं कि पहले जैसे कहते थे भारत मतलब कश्मीर से कन्याकुमारी तक, लेकिन अब इसे कहिए कन्याकुमारी से सियाचिन तक। नॉट ओनली कश्मीर तक उससे आगे भी हमारा भारत है।

देश की 50 फीसदी महिलाओं की मेंटल हेल्थ खराब वर्क-लाइफ बैलेंस, आर्थिक दबाव बिगाड़ रहे सेहत

नई दिल्ली। आज के समय में खराब मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ी समस्या बन गया है। महिलाएं भी इसका शिकार हो रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, भारत में आत्महत्या करने वालों में 36.6% महिलाएं हैं, जिनमें 18-39 वर्ष की युवतियां सबसे अधिक हैं। इसके बावजूद, समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर फैले डर और कलंक के कारण महिलाएं इलाज कराने से बच रही हैं। एक सर्वे में खुलासा हुआ कि महिलाएं मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर खुलकर बात करने से डरती हैं, ताकि कॅरियर पर असर न पड़े। इसके अलावा यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और वर्क-लाइफ बैलेंस के कारण भी महिलाओं की मानसिक सेहत बिगड़ रही है।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आदित्य बिड़ला एजुकेशन ट्रस्ट की एमपावर संस्था ने एक रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट देशभर की 13 लाख महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य आंकड़ों पर आधारित है। इसमें कॉलेज छात्राओं, कॉरपोरेट प्रोफेशनल्स, ग्रामीण महिलाओं और सेना में कार्यरत महिलाओं की मानसिक चुनौतियों के बारे में बताया गया है।

कॉरपोरेट जगत में कामकाजी महिलाएं

42% महिलाओं में डिप्रेशन और एंग्जायटी के लक्षण पाए गए। 80% महिलाएं मातृत्व अवकाश और करियर ग्रोथ में भेदभाव झेलती हैं। 90% महिलाओं का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का उनके कार्य प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ता है।

महाराष्ट्र सरकार के साथ प्रोजेक्ट संवेदना के तहत 12.8 लाख ग्रामीण महिलाओं पर किए गए सर्वे में सामने आया कि वित्तीय अस्थिरता, सामाजिक कलंक और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के कारण वे गंभीर अवसाद और चिंता से जूझ रही हैं।

दवाओं से ठीक हो सकती है ये बीमारी

मनोचिकित्सक डॉ. अंकित गौतम ने कहा कि अक्सर महिलाओं को अवसाद, चिंता, अनिद्रा, व्यक्तित्व विकार, संबंधों की चुनौतियां और वैवाहिक असहमति एक गंभीर चुनौती है। डॉ. गौतम ने आगे कहा कि मनोचिकित्सीय विकारों को दवाओं, मनोचिकित्सा या दोनों के संयोजन से प्रभावी ढंग से कंट्रोल किया जा सकता है, यह व्यक्ति की आवश्यकताओं पर निर्भर करता है। तनाव मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के सबसे आम ट्रिगर्स में से एक है।

18-35 वर्ष की उम्र की लड़कियों की मानसिक स्वास्थ्य प्रवृत्तियां कुछ इस तरह से हैं

मुंबई- एकेडमिक स्ट्रेस और कॉरपोरेट बर्नआउट सबसे अधिक है। दिल्ली- सुरक्षा चिंताओं और उत्पीड़न के कारण पीटीएसडी और एंग्जायटी की समस्या अधिक है। कोलकाता- मजबूत सामाजिक नेटवर्क के बावजूद मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से महिलाएं कोसो दूर हैं।

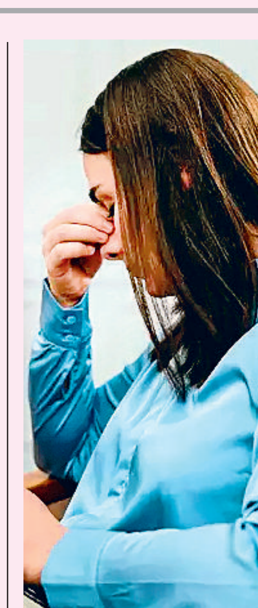

अच्छी नींद और योग का भी अहम रोल

हर सेक्टर में काम करने वाली महिलाएं आज तनाव का शिकार हो रही हैं। यह मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल रहा है। महिलाओं को योग, नियमित शारीरिक गतिविधि, ध्यान, संतुलित आहार, गुणवत्तापूर्ण नींद और मजबूत सामाजिक समर्थन की जरूरत है। इसके अलावा जो महिलाएं तनाव, डिप्रेशन, एंग्जाइटी की समस्या से जूझ रही हैं। उन्हें समय-समय पर मनोचिकित्सक से सलाह लेने की आवश्यकता है।

साढ़े 6 करोड़ में बना प्रदेश का पहला पिंक स्टेडियम

महिलाओं के लिए 10 खेलों की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

स्मार्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड की ओर से प्रदेश का पहला पिंक स्टेडियम बिलासपुर में तैयार हो गया है। पिंक स्टेडियम यानी इसे सिर्फ महिला खिलाड़ियों के लिए मैदान ही तैयार किया गया है। जहां पर दस से अधिक प्रकार के खेलों का आयोजन व प्रशिक्षण की सुविधा मिल रही है। इस स्टेडियम के शुभारंभ के साथ ही महिला खिलाड़ियों को स्तरीय प्लेटफार्म मिलने लगी है। इसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है।

महिला खिलाड़ियों को इस स्टेडियम के माध्यम से खेल के क्षेत्र में नई उड़ान मिल रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में जिले की महिला खिलाड़ी खेलों के माध्यम से अपना भविष्य संवार सकेंगे। शहर के बिलासा कन्या कालेज परिसर पर स्थित पौने दो एकड़ की जमीन में करीब छह करोड़ रुपए की लागत से पिंक स्टेडियम को बनाया गया है। इस स्टेडियम को बनाए जाने से पहले महिला खिलाड़ियों को खेल में आगे बढ़ाने के लिए उचित खेल संसाधन नहीं मिल पा रहा था। क्योंकि अन्य खेल मैदान, स्पोर्ट्स सेंटर में पुरुष खिलाड़ियों की भरमार रहती थी। ऐसे में महिला खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा निखारने के लिए समय व मैदान उनके मुताबिक नहीं मिल पाती थी।

इन खेलों की मिल रही सुविधा

पिंक स्टेडियम के माध्यम से महिला खिलाड़ियों को नई उड़ान मिल रही हैं। इस स्टेडियम में एक साथ कई खेल खेलने की व्यवस्था है। जैसे खो-खो मैदान, एथलेटिक ट्रैक, इंडोर बैडमिंटन कोर्ट, बास्केटबाल कोर्ट, वालीबाल कोर्ट, कबड्डी मैदान, लांग और हाई जंप ट्रैक, जागिंग ट्रैक, इंडोर जिम की सुविधा मिल रही है। इस पिंक स्टेडियम में एक मल्टी एक्टीविटी हाल भी अलग से बनाया गया है। जहां अलग-अलग खेल की गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसके अलावा खिलाड़ियों के लिए रेस्ट रूम भी बनाया गया है। वहां पर दूसरे जिले व प्रदेश से आने वाले खिलाड़ी ठहर सकेंगी।

खिलाड़ियों को स्तरीय प्लेटफार्म मिला

इस वजह से प्रतिभावान महिला खिलाड़ी होने के बाद भी वे खेल में आगे नहीं बढ़ पा रही थी। इस वजह से जिले के सैकड़ों प्रतिभावान महिला खिलाड़ियों में नाममात्र की खिलाड़ी ही राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रोशन कर पाती थी, लेकिन अब पिंक स्टेडियम की सुविधा मिलने के बाद महिला खिलाड़ियों को स्तरीय प्लेटफार्म मिलने लगा है। अब विभिन्न खेलों के अंतर्गत महिला खिलाड़ियों को अभ्यास करने के अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैदान में पूरा समय मिल रहा है।

विभाग की पहली टेनिकोइट खिलाड़ी, 40 की उम्र में की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छग राज्य विद्युत वितरण कंपनी में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत हैं कोटा रायपुर निवासी यशौदा रौतिया। अखिल भारतीय विद्युत कंपनी द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर स्पर्धा कराई जाती है। इनमें से टेनिकोइट में प्रदेश से एक भी खिलाड़ी अपनी भागीदारी दर्ज नहीं करता था, क्योंकि इस खेल के बारे में किसी को जानकारी ही नहीं थी। यह टेबल टेनिस की ही तरह होता है, लेकिन इसमें बॉल को मारने के लिए रैकेट की जगह छल्लेनुमा एक आकृति का प्रयोग किया जाता है। इस खेल के उपकरण छग में नहीं मिलते। इसे बाहर से मंगाना पड़ता है। इस खेल का कोई कोर्ट भी नहीं है। हम खुद भी इस खेल के बारे में नहीं जानते थे। राष्ट्रीय स्पर्धा में जाने के बाद हमें इस खेल की जानकारी हुई। इसके बाद हमने प्रदेश में इसे शुरु करने का प्रयत्न किया और बीते साल छग ने भी इसमें एंट्री ली।

ओपन स्पर्धा में एंट्री

अखिल भारतीय स्पर्धा में पहली बार में ही यशोदा ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्हें इसमें चौथा स्थान मिला। इसके आधार पर उन्हें ओपन चैम्पियनशिप में एंट्री मिली। यशोदा ने अपनी पढ़ाई एनआईटी से इलेक्ट्रिकल ब्रांच से 2006 में पूरी की। टेनिकोइट से पहले वे बैंडमिंटन में अपने विभाग को प्रतिनिधित्व करती थीं। उनके पति मनीष रौतिया भी बिजली विभाग में हैं। पति के साथ बेटा वंश रौतिया भी खेल में दिलचस्पी रखते हैं। उनका भी सहयोग खेल स्पर्धा में मिलता रहा है। रोजाना एक से दो घंटे प्रैक्टिस करने वाली यशोदा कहती हैं कि अपने लिए समय निकालें। अपनी पसंद का यदि आप कुछ काम करते हैं तो इससे अतुलनीय आत्मसंतुष्टि मिलती है।

Reliance
Growth is Life
SMART BAZAAR
होली है जमके मनाओ
होली के सामान पर बड़ी बचत!
इंडियन किशमिश / गुड लाइफ काजू (W320) 500 g
स्मार्ट कीमत ₹115/ ₹459
एमआरपी ₹249 / ₹725
बचाइए ₹134 / ₹266
गुड लाइफ राईस ब्रान / रिफाइंड सोयाबीन तेल 1 L
स्मार्ट कीमत ₹129/ ₹133
एमआरपी ₹185 / ₹185
बचाइए ₹56 / ₹52
खुली चीनी S / भारत चना दाल 1 kg
स्मार्ट कीमत ₹43.50/ ₹69
बाज़ार मूल्य ₹50
एमआरपी ₹70
गुड लाइफ गुड़ 950 g
स्मार्ट कीमत ₹72
एमआरपी ₹90
बचाइए ₹18
गुड लाइफ हरी इलायची 50 g / चक्की आटा 10 kg
स्मार्ट कीमत ₹199/ ₹415
एमआरपी ₹265 / ₹425
बचाइए ₹66 / ₹10
गोवर्धनगाय का शुद्ध घी 1 L
स्मार्ट कीमत ₹669
एमआरपी ₹725
बचाइए ₹56
कोका-कोला / स्प्राइट / थम्स अप / फैंटा 750 ml (चुनिंदा प्रकार)
BUY ANY 3 GET ANY 1 FREE
एमआरपी ₹45 या उससे अधिक /यूनिट
क्वालिटी वॉल्स टब्स 500 ml या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार)
40% तक छूट
एमआरपी ₹150 या उससे अधिक
डिस्पोजेबल सर्विंग रेंज (चुनिंदा प्रकार)
50% तक छूट
एमआरपी ₹39 या उससे अधिक
पैराशूट / डाबर / बजाज नारियल तेल 500 ml या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार)
फ्लैट 50% छूट
एमआरपी ₹294 या उससे अधिक
स्मार्ट कीमत ₹147 या उससे अधिक
स्मार्ट कीमत ₹399
एमआरपी ₹850 या उससे अधिक
बचाइए ₹451 या उससे अधिक
शैम्पू 580 ml या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार)
फेसवॉश 150 g या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार)
BUY 1 GET 1 FREE
एमआरपी ₹325 या उससे अधिक
PHILIPS HAVELLS VEGA
इंस्टा ग्लैम हेयर ड्रायर
स्मार्ट कीमत ₹599 या उससे अधिक
एमआरपी ₹899 या उससे अधिक
बकेट रेंज (प्लेन / प्रिंटेड)
स्मार्ट कीमत ₹99 या उससे अधिक
एमआरपी ₹237 या उससे अधिक
बचाइए ₹160
रेड लेबल टी 1 kg
एमआरपी ₹560 या उससे अधिक
स्मार्ट कीमत ₹400 या उससे अधिक
आकाश नमकिन 900 g (चुनिंदा प्रकार)
BUY 1 GET 1 FREE
एमआरपी ₹280 या उससे अधिक
गुजिया / मिठाइयाँ 200 g या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार)
BUY ANY 1 GET ANY 1 FREE
एमआरपी ₹85 या उससे अधिक
होली ऑफ़र्स
होली वॉटर गन / गुलाल / गुब्बारे
न्यूनतम 50% छूट
एमआरपी ₹149 या उससे अधिक
फैशन ₹199 से शुरुआत
कुर्ते ₹299 या उससे अधिक
शर्ट्स ₹299 या उससे अधिक
टी-शर्ट्स ₹199 या उससे अधिक
श्री गुरूजी केसरिया ठंडाई 500 ml
बचाइए ₹95
एमआरपी ₹315 या उससे अधिक
स्मार्ट कीमत ₹220 या उससे अधिक
बेसन / मैदा / रवा 500 g / 1 kg
BUY 1 GET 1 FREE
एमआरपी ₹54 या उससे अधिक
50% तक छूट
एमआरपी ₹165 या उससे अधिक
मैकेन फ्रोजन स्नैक्स 175 g या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार)
बाथ टॉवेल (चुनिंदा रेंज)
स्मार्ट कीमत ₹129 या उससे अधिक
एमआरपी ₹299 या उससे अधिक
साबुन 125 g या उससे अधिक (मल्टी पैक) (चुनिंदा प्रकार)
फ्लैट 33% छूट
एमआरपी ₹175 या उससे अधिक
स्मार्ट कीमत ₹117 या उससे अधिक
एरियल / सर्फ एक्सल मॅटीक लिक्विड 4 L (टॉप / फ्रंट लोड) (चुनिंदा प्रकार)
फ्लैट 33% छूट
एमआरपी ₹789 या उससे अधिक
स्मार्ट कीमत ₹529 या उससे अधिक
न्यूनतम 5% एमआरपी से कम हर रोज़
ब्रांड्स एट ₹9 हर रोज़ ₹1499 या अधिक की खरीदी पर
ऑफ़र यहाँ भी उपलब्ध SMART SUPERSTORE
रायपुर: अंबुजा सिटी सेंटर मॉल, लोअर ग्राउंड फ्लोर, विधानसभा रोड, मोवा. ● मैग्नेटो द मॉल, लोअर ग्राउंड फ्लोर, जीई रोड. ● सिटी सेंटर मॉल, लोअर ग्राउंड फ्लोर, पंडरी. ● चंद्रा स्क्वेयर, विधानसभा रोड, मोवा ● कलर्स मॉल, पचपेड़ी नाका. बिलासपुर : सिटी मॉल 36, पहली मंजिल, मुन्हेली रोड, मंगला स्क्वेयर ● MMIPL कॉम्प्लेक्स, दुबई स्वीट्स के सामने, तारबाहर रोड, टैगोर चौक ● रामा मैग्नेटो मॉल, लोअर ग्राउंड फ्लोर, श्रीकांत वर्मा मार्ग, ● स्वर्ण प्लाजा, SECL कॉलोनी के पास, राज किशोर नगर, वसंत विहार चौक, सीपत रोड. ● रायगढ़ : ग्रैंड मॉल, दूसरी मंजिल, गौरी शंकर मंदिर रोड के पास ● शाह कॉम्प्लेक्स, ट्रैफिक पुलिस ऑफिस के पास, दरोगापारा, गौशाला रोड़ भिलाई: सूर्या ट्रेजर आइलैंड मॉल, लोअर ग्राउंड फ्लोर, स्मृति नगर कोरबा: द पाम मॉल, लोअर ग्राउंड फ्लोर, टी.पी. नगर जगदलपुर: बिनाका हेरिटेज, बिनाका मॉल के पास, चित्रकूट रोड़ अम्बिकापुर: चंडीग्राम प्लाज़ा, खारिसा रोड, अग्रसेन स्क्वेयर.
अपना नज़दीकी स्टोर पता करने के लिये स्कैन करें
SMART BAZAAR

चिंतन

महज एक परंपरा नहीं है अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

पूरी दुनिया में 8 मार्च को महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह महज एक परंपरा या औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज की उन्नति और विकास की सबसे अहम बुनियाद है। यह सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि नारी शक्ति के संघर्ष, संकल्प और सफलता का उत्सव है, लेकिन हम इस उत्सव को किस रूप में लेते हैं, ये हमारी मानसिकता पर निर्भर करता है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं, लेकिन यह सफर इतना आसान नहीं था। एक समय था जब महिलाओं को न तो शिक्षा का अधिकार था, न ही वोट देने का और न ही उन्हें पुरुषों से बराबरी करने का। इस असमानता के खिलाफ महिलाओं ने आवाज उठाई और 1908 में न्यूयॉर्क शहर में करीब 15,000 महिलाओं ने एक विशाल प्रदर्शन किया। वे कम वेतन, बेहतर काम करने की परिस्थितियां और वोटिंग के अधिकार की मांग कर रही थीं। इस आंदोलन ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा और 1910 में डेनमार्क के कोपेनहेगन शहर में पहला अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन में जर्मनी की समाजवादी नेता क्लारा जेटकिन ने यह प्रस्ताव रखा कि हर साल एक दिन महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए समर्पित किया जाना चाहिए। इस विचार को कई देशों ने अपनाया और 1911 में पहली बार ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विट्जरलैंड में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। अब हालात वैसे नहीं हैं। महिलाएं बराबरी पर खड़ी हैं। पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर दुनिया को नई रफ्तार दे रही हैं, लेकिन फिर भी लगातार ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं जो सोचने पर मजबूर करती हैं कि शायद आज भी हमारे ही बीच ऐसे लोगों को कमी नहीं है जो महिला अधिकारों की बात तो करते हैं, लेकिन उनकी मानसिकता में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। बीते दिनों ही महाराष्ट्र के जलगांव से आई भाजपा नेत्री की नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ की खबर न केवल हैरान करती है बल्कि महिलाओं की स्थिति पर सवाल भी खड़े करती है।देश के अन्य हिस्सों से भी ऐसी घटनाओं की खबरें आती रहती हैं। ध्यान देने की बात है कि बेटी के साथ कथित छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराने केंद्रीय मंत्री खुद थाने पहुंचीं। हालांकि उन्होंने कहा कि वह थाने में मंत्री या सांसद की हैसियत से नहीं बल्कि एक मां के रूप में आई हैं। लेकिन उन्होंने यह सवाल भी किया कि जब एक केंद्रीय मंत्री और सांसद की बेटी के साथ ऐसा हो सकता है तो आम घरों की लड़कियों की क्या दशा होगी। ध्यान रहे यह इकलौती घटना नहीं है। हर दिनों समाचार पत्रों में ऐसी खबरों की भरमार रहती है। अनिवार्य है कि ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन मामला सिर्फ कानून व्यवस्था का नहीं है, समाज की संवेदनशीलता का भी है। परिवार में लड़कों के पालन-पोषण के तौर-तरीकों का भी है। देश के कोने-कोने से ऐसी छेड़छाड़ की खबरें आती रहती हैं और उससे कहीं ज्यादा के बारे में तो पता भी नहीं चलता। ऐसे मामलों को रोकने के लिए कानूनी सख्ती के साथ घर के अंदर भी पहल करनी होगी। लड़कों को कम उम्र से ही बताना होगा कि लड़कियों-स्त्रियों के साथ किस तरह से पेश आना चाहिए। उन्हें अपनी संस्कृति संस्कारों से जोड़ना होगा। हम उस देश के वासी हैं जहां महिला शक्ति को माता का दर्जा प्राप्त है। साल में दो बार नवरात्रें मनाकर महिला शक्ति को पूजते हैं। इसके बावजूद अगर ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं तो हमें तुरंत सजग होना होगा। युवा पीढ़ी को भी सुसंस्कारी बनाना होगा, तभी महिलाओं को सही सम्मान मिल सकेगा।

महिला दिवस

प्रो. नीलिमा गुप्ता

शैक्षिक सशक्तीकरण के अवसर मिले

> महिला शिक्षा व सशक्तीकरण एक दूसरे से गहरे से जुड़े हुए हैं, क्योंकि शिक्षा ही वह साधन है, जिसके माध्यम से महिलाएं अपने अधिकारों, अवसरों और जिम्मेदारियों को समझ सकती हैं। शिक्षा के द्वारा ही महिलाओं को आत्मनिर्भर, आत्मसम्मानित और सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। महिला शिक्षा व सशक्तिकरण की प्रक्रिया केवल महिलाओं के व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक शिक्षित महिला ही सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकती है, अपनी सामाजिक स्थिति में सुधार करती कर सकती है व पूरे परिवार और समाज को भी प्रगति की दिशा में ले जा सकती है।

एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में शिक्षा की अहम भूमिका होती है। शिक्षा न केवल व्यक्तिगत जीवन को समृद्ध करता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी सहायक है। आज आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने की तरफ भारत आगे बढ़ रहा है। शिक्षा को आत्मनिर्भरता की नींव कहा जा सकता है, क्योंकि जब किसी व्यक्ति या समाज को उचित शिक्षा मिलती है, तो वह न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में सुधार करता है, बल्कि वह देश के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके लिए आवश्यक है कि देश के नागरिक उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करें और उसे अपने जीवन में सही ढंग से लागू करें।

आज कौशल विकास के कई अवसर युवाओं के सामने हैं जिससे वे न केवल रोजगार पा सकते हैं, बल्कि आत्मनिर्भर बनकर देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकते हैं। नई तकनीकों और नवाचारों का ज्ञान प्राप्त कर युवा भारत अपनी एक मजबूत और प्रतिस्पर्धात्मक ताकत बनने की क्षमता रखता है। शिक्षा नागरिकों को अधिकारों, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक तो करती ही है, साथ ही स्वास्थ्य, स्वच्छता जैसे महत्त्वपूर्ण आयामों के प्रति भी नागरिक बोध भी कराती है। यह समाज में जाति, वर्ग, जेंडर विभेद को दूर करने का एक माध्यम भी है ताकि सभी नागरिकों को राष्ट्र के प्रति कर्तव्यनिष्ठ होकर सेवा का समान अवसर उपलब्ध हो सके। स्वावलंबन और नागरिक बोध से युक्त भारत की जनसंख्या न केवल उसकी शक्ति है बल्कि आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करती है। इस महती संकल्पना को साकार में करने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए महिला शिक्षा के महत्व को समझना आवश्यक है। महिला शिक्षा और सशक्तिकरण एक दूसरे से गहरे से जुड़े हुए हैं, क्योंकि शिक्षा ही वह साधन है, जिसके माध्यम से महिलाएं अपने अधिकारों, अवसरों और जिम्मेदारियों को समझ सकती हैं। महिला शिक्षा के द्वारा ही महिलाओं को आत्मनिर्भर, आत्मसम्मानित और सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। महिला शिक्षा और सशक्तीकरण की प्रक्रिया केवल महिलाओं के व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक शिक्षित महिला ही सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकती है, अपनी सामाजिक स्थिति में सुधार करती कर सकती है तथा पूरे परिवार और समाज को भी प्रगति की दिशा में ले जा सकती है। महिलाओं का शिक्षित होना और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना समाज में समानता की मुख्य कुंजी है। महिलाएं शिक्षा के माध्यम से न केवल रोजगार प्राप्त करती हैं बल्कि वे अपने परिवार की आर्थिक सुदृढ़ीकरण में योगदान करती हैं। इससे महिलाओं के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी होती है और उनकी आर्थिक रूप से निर्भरता समाप्त होती है। आर्थिक सक्षमता महिलाओं में निर्णय की क्षमता का विकास करती है और यही स्थिति उन्हें समाज में बराबरी का स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण साबित होती है। शिक्षित और आत्मनिर्भर महिलाएं स्वयं और परिवार के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाए रखने में सक्षम होती हैं। वे पोषण, स्वच्छता और देखभाल के महत्व को बेहतर समझती हैं। उनकी यह काबिलियत न केवल उनकी बल्कि पूरे परिवार और समाज की जीवनशैली में सुधार करती है और जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में मदद करती है। समाज में स्वस्थ पीढ़ी का निर्माण तभी संभव है जब उस समाज की महिला सशक्त हो। महिला सशक्तीकरण के लिए आवश्यक है कि महिलाओं को उनके अधिकारों, अवसरों और विकल्पों में पूरा समर्थन मिले, ताकि वे समाज में आत्मनिर्भर, स्वतंत्र और समृद्ध जीवन जी सकें। यह उनके सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और मानसिक सशक्तिकरण से भी जुड़ा हुआ है। यह जरूरी है कि महिलाओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में शिक्षा दी जाए, ताकि वे अपने जीवन के निर्णय खुद ले सकें। महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने के लिए उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। राजनीतिक क्षेत्र में भी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि उनके आत्मविश्वास से उनकी आवाज बुलंद हो और वे नीतियों में परिवर्तन ला सकें। महिला शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर लड़की को शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर मिले, खासकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में। इसके लिए विद्यालयों में इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार और छात्रवृत्तियां प्रदान करना जरूरी है। समाज को भी यह समझने की आवश्यकता है कि महिलाओं का सशक्तिकरण केवल महिलाओं के लिए नहीं, बल्कि समग्र समाज के विकास के लिए आवश्यक है। इसलिए समाज को भी अपनी मानसिकता में बदलाव लाने, भेदभाव को समाप्त कर महिलाओं को समान अधिकार प्रदान करने की पहल करनी चाहिए। महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं की सुरक्षा भी अहम है। सरकार और समाज को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि महिलाएं बिना किसी डर के अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकें। इसके लिए भारत सरकार द्वारा प्रभावी कानून और नीतियां भी लाई गई हैं। महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य के बारे में सही जानकारी देना, उनकी देखभाल भी सशक्तीकरण का एक आवश्यक पहलू है। एक स्वस्थ महिला ही सशक्त बनकर अपने परिवार और समाज का सही दिशा में मार्गदर्शन कर सकती है। इसके लिए हमें शैक्षणिक संस्थानों में भी छात्राओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें गुणात्मक शिक्षा प्रदान कर समान स्तर पर लाना होगा। महिला शिक्षा के माध्यम से उन्हें समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करना हम सबका कर्तव्य है। अगर हम एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र चाहते हैं तो हमें महिलाओं को शिक्षा और सशक्तिकरण के सही अवसर प्रदान करने होंगे।

(लेखिका डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर (म.प्र.) में कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

लैंगिक समानता

अर्चना कुमारी

'आधी आबादी' को पूरा हक मिलना चाहिए

भारत में महिलाएं देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। यूं तो यह आधी आबादी कभी शोषण तो कभी अत्याचार के मामलों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। हालांकि जब भी हम महिलाओं की समानता की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि किसी भी वर्ग में समानता के लिए सबसे पहले अवसरों की समानता का होना बेहद ज़रूरी है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि देश में आधी आबादी राजनीति में अभी भी हाशिये पर है। ये स्थिति तब है, जबकि जितनी भी महिलाओं को राजनीति के निचले पायदान से ऊपरी पायदान तक जितना भी और जब भी मौका मिला, उन्होंने अपनी योग्यता और क्षमताओं का लोहा मनवाया है। ऐसे में यह सवाल भी उठना स्वाभाविक है कि आजादी के 75 सालों में लैंगिक समानता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियां आखिर गिनती की ही क्यों रह गई हैं? आखिर सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक असमानता क्यों बरकरार है? वह भी तब, जब हम इस वर्ग को 'आधी आबादी' का संबोधन देते हैं। यह बात सही है कि स्त्री शक्ति ने देश-दुनिया में समय-समय पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, लेकिन महिलाओं को कमतर होने का अहसास दिलाने की पुरुष वर्ग की मानसिकता आज भी स्त्रियों को उनके हकों से वंचित कर रही है। नारी सशक्तीकरण की बातें कागजी योजनाओं में काफी अच्छी लगती हैं पर धरातल पर अभी काफी कुछ होना बाकी है। खास तौर से आधी आबादी को लोकतांत्रिक व्यवस्था में बराबरी का हक देने को लेकर। यह विडम्बना ही है कि विधायिकाओं में 50 फीसदी नहीं, बल्कि महज 33 फीसदी आरक्षण की सालों से चल रही मांग आज तक अधूरी ही है। पंचायत और स्थानीय निकाय स्तर पर आरक्षण से महिलाओं को मौका जरूर मिला लेकिन यहां भी कितना सशक्तीकरण नारी शक्ति का हो पाया है यह किसी से छिपा नहीं है। शिक्षित, आर्थिक रूप से स्वावलंबी, ऊंचे पदों पर बैठी महिलाओं के विपरीत लैंगिक भेदभाव की उस तस्वीर को भी देखना होगा जहां महिलाओं को यह तक पता नहीं कि कानून ने किन-किन क्षेत्रों में उनको कितना संरक्षित कर रखा है। वहीं संसद में भी पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। भारत की मौजूदा जनसंख्या के अनुसार, लोकसभा में एक निर्वाचित सांसद औसतन 26 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं एक निर्वाचित महिला सांसद औसतन 92 लाख महिलाओं का प्रतिनिधित्व करतीं हैं। जाहिर है महिला अधिकारों और महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के दावों और उसकी वास्तविकता के मध्य एक गहरा विरोधाभास और राजनीतिक दलों का दोगलापन है।

हमें नहीं भूलना चाहिए कि डॉ. आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन इस बात से किया जाता है कि उसमें महिलाओं की क्या स्थिति है? दुनिया की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है, इसलिए जब तक उनका समुचित विकास नहीं होता कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी, जब उन्हें घर-परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। लेकिन ये सच है कि पितृसत्तात्मक मानदंडों और परम्परागत मानसिकता के चलते ऐतिहासिक रूप से भारत में महिलाओं को हाशिए पर रखा गया। आजादी के बाद भारत के संविधान ने ये व्यवस्था दी कि राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में पुरुषों एवं महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया जाएगा, लेकिन भारत में अधिकांश विधानसभाओं में महिला सदस्यों के प्रतिनिधित्व का परिदृश्य आज भी निराशाजनक है। वास्तव में भारत की आधी आबादी का एक बहुत बड़ा भाग अभी भी अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित है।

वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की ओर से जारी रिपोर्ट में भारत का नाम 146 देशों की सूची में 135वें स्थान पर रहा है। आज ज़रूरत इस बात की है कि इन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जाए। भारत की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी कम होने के पीछे प्रमुख कारण अब तक समाज में पितृसत्तात्मक ढाँचे का मौजूद होना है। हमें इस बात को समझना होगा कि पुरुषों और महिलाओं की समान भागीदारी न केवल न्याय और लोकतंत्र के लिए अहम है, बल्कि ये सुव्यवस्थित मानव अस्तित्व के लिए भी अनिवार्य है।जाहिर है, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक और प्रशासन से लेकर राजनीति तक बेटियों को अभी काफी अवसर और सुविधाएं देना बाकी है। यह काम सरकारों को भी करना है और समाज को भी।

(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जब मन अशांत हो, ईष्टदेव के मंत्रों का करे जप

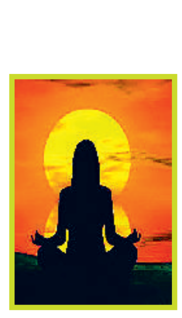

संकलित

दर्शन

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

सफलता के लिए योजना बनाकर काम करे

संकलित

प्रेरणा

जब भगवान विष्णु श्रीकृष्ण रूप में अवतार लेने वाले थे। देवकी और वसुदेव कंस की कैद में थे। कंस ने देवकी-वसुदेव की 6 संतानों का वध कर दिया था। सातवीं संतान के रूप में बलराम देवकी के गर्भ में आए तो भगवान विष्णु ने योगमाया से कहा था कि आप इस सातवीं संतान को देवकी के गर्भ से निकाल कर वसुदेव जी की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में स्थापित कर दो। इसके बाद कंस को ये सूचना दी जाएगी कि सातवां गर्भ गिर गया है। योगमाया ने ऐसा ही किया। इसके बाद जब आठवीं संतान के जन्म का समय आया तो भगवान ने योगमाया से कहा कि अब मेरे अवतार लेने का समय आ गया है। जब मेरे अवतार का जन्म होगा, ठीक उसी समय आप गोकुल में यशोदा के गर्भ से जन्म लेना। वसुदेव जी कंस के कारागर से निकालकर मुझे गोकुल पहुंचाएंगे और आपको लेकर कंस के कारागार में आ जाएंगे। जब कंस आठवीं संतान को मारने के लिए आएगा तब आप मुक्त हो जाना। भगवान ने जो योजना बनाई थी, उसी के अनुसार श्रीकृष्ण का अवतार हो गया। इस कथा में भगवान ने संदेश दिया है कि जब भी कोई काम करना हो तो उसकी योजना जरूर बनाएं। योजना अच्छी होगी तो सफलता जरूर मिलेगी।

अटुकल पोंगाला उत्सव

तिरुवनंतपुरम में शुक्रवार को अटुकल पोंगाला उत्सव के दौरान अटुकल भगवती मंदिर में भक्त विलाक्कुकेट्टू जुलूस में भाग लेते हुए।

आज की पाती

प्रकृति स्वरूपा है नारी ब्रह्मांड का आधार है नारी

प्रति वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिलाओं की सुरक्षा के दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल की सच्चाईयां बहुत ही खौफनाक हैं। महिलाओं पर जुल्म बढ़ते ही जा रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि नारी प्रकृति स्वरूपा है, नारी ब्रह्मांड का आधार है, नारी जगत जननी है, न मजबूर न समझो इसे बेचारी। सजीवन एक खूबसूरत यात्रा है। इसी यात्रा में हम संघर्ष करते हुए सदैव गतिमान रहते हैं।

-मदन बाजपेयी, भिलाई

करंट अफेयर

ट्रंप ने सुनीता विलियम्स के घने बालों की प्रशंसा की

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के घने बालों की सराहना की और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे दो अंतरिक्ष यात्रियों को संदेश दिया कि उन्हें जल्द धरती पर वापस लाया जाएगा। ट्रंप (78) ने अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे बुच विल्मोर और विलियम्स को पृथ्वी पर वापस लाने में मदद करने के लिए व्यक्तिगत रूप से एक बचाव दल को कक्षा में भेजने की संभावना का जिक्र किया और आठ दिन के मिशन के नौ महीने तक जारी रहने के लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की आलोचना की। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में कहा, 'बाइडन ने उन्हें वहीं फंसा छोड़ दिया।' उन्होंने कहा, 'हमारे दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं। मैंने एलन (मस्क) से कहा, 'मेरा एक काम करो। क्या तुम उन्हें बाहर निकाल कर ला सकते हो? उन्होंने कहा 'हां'। वह वहां जाने की तैयारी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि दो सप्ताह में। ट्रंप ने कहा कि मस्क अभी एक यान तैयार कर रहे हैं जो ऊपर जाएगा और उन्हें वहां से ले जाएगा।

ऑफ बीट

पुराना पीठ दर्द मस्तिष्क से होता है उत्पन्न

पुराने पीठ दर्द से पीड़ित अधिकांश लोग स्वाभाविक रूप से सोचते हैं कि उनका दर्द चोट या शरीर में अन्य समस्याओं जैसे गठिया या उभरी हुई डिस्क के कारण होता है। लेकिन हमारी शोध टीम ने पाया है कि मस्तिष्क में होने वाली प्रक्रिया के रूप में दर्द के मूल कारण के बारे में सोचने से रिकवरी को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। हम दर्द पुनर्संसाधन थेरेपी नामक एक मनोवैज्ञानिक उपचार का अध्ययन कर रहे हैं जो मस्तिष्क में अप्रभावी और अनावश्यक दर्द संकेतों को 'बंद' करने में मदद कर सकता है। पुराने समय से चला आ रहा दर्द आज सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। यह अमेरिका में विकलांगता का प्रमुख कारण है, और इसकी आर्थिक लागत मधुमेह या कैंसर से भी अधिक है। सबसे आम दीर्घकालिक दर्द पीठ दर्द है। कई मरीज़ - और डॉक्टर - पीठ की विभिन्न समस्याओं की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिनके बारे में उन्हें संदेह है कि यह दर्द का कारण हो सकता है। इसलिए वे हर तरह के उपचार आज़माते हैं, लेकिन अक्सर कोई फायदा नहीं होता।

ट्रेंड

तमिल में पाठ्यक्रम

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को भी जल्द से जल्द तमिल भाषा में मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम शुरू करना चाहिए। इससे तमिल माध्यम से पढ़ाई करने वाले छात्रों को लाभ होगा।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

विकास का दीप जलाएंगे

विगत सरकारों ने दिल्ली के हर विभाग, हर व्यवस्था को इतना बदहाल कर दिया है। हमें एक जंग लगा हुआ सिस्टम विरासत में मिला है लेकिन हम अपने बुलंद हौसलों और कर्तव्यनिष्ठा से दिन-रात काम करके दिल्ली में विकास का दीप जलाएंगे।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

महिलाओं को प्रोत्साहन

इस पहचान के लिए मैं बहुत आभारी हूँ, मैं और अधिक महिलाओं को आगे आने और अपनी यात्रा की पटकथा लिखने में यथास्थिति को चुनौती देने के लिए प्रोत्साहित करती हूँ।

-किरण मजूमदार-शॉ, उद्यमी

उम्र सिर्फ़ एक संख्या

जिस शख्स ने फिल्मों में 28 साल की उम्र में 65 साल के बुजुर्ग की भूमिका निभाई हो, और ज़्यादातर अपनी उम्र से बड़े किरदारों के रोल किए हों, उसकी जवानी तो अब शुरू हुई है! उम्र सिर्फ़एक संख्या है, मैं इसका आदर्श उदाहरण हूँ।

-अनुपम खेर, अभिनेता

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-42422221 पर या सीधे मेल से **aapkepatra.haribhoomi@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

छत्तीसगढ़ शासन
25 रजत जयंती वर्ष छत्तीसगढ़
8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय
महिला
दिवस
जम्मो बेटी-बहिनी-महतारी
मन ल बधाई
❖ महतारी वंदन योजना के अंतर्गत राज्य की 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह ₹1000 की सम्मान राशि
❖ 13 किस्तों में ₹8,488 करोड़ का हस्तांतरण
सशक्त अउ स्वावलंबी नारी
हमर छत्तीसगढ़ के चिन्हारी
हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
सुशासन से समृद्धि की ओर
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
/ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

कारोबार में बदल जाता है प्यार

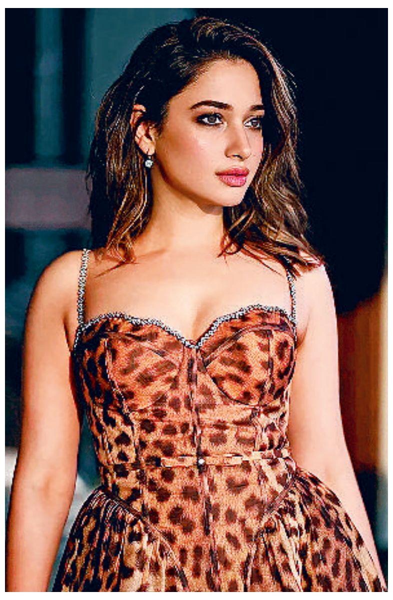

हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के ब्रेकअप की खबरें आईं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इस इस अफवाह पर कुछ नहीं कहा है। ऐसे तमन्ना भाटिया ने प्यार पर अपनी राय रखी है।तमन्ना भाटिया ने ल्यूक कौटिनहो से बातचीत में बताया है कि उनके मुताबिक प्यार की परिभाषा क्या है। बातचीत में तमन्ना भाटिया से पूछा गया कि वह प्यार के बारे में क्या सोचती हैं?

एजेंसी ▶▶ मुंबई

उन्होंने इस पर जवाब देते हुए कहा कि प्यार बिना शर्त होना चाहिए, चाहे वह मां-बाप से, पार्टनर से या फिर पालतू जानवर से हो। अगर आप पार्टनर से उम्मीद करना शुरू कर देते हैं तो रिश्ते कारोबार में बदल जाते हैं। तमन्ना भाटिया ने कहा 'मुझे लगता है कि लोग प्यार और रिश्ते को लेकर भ्रम में हैं। जैसे ही प्यार में शर्त आ जाती है तो यह प्यार नहीं रहता। प्यार बिना शर्त होना चाहिए। यह एकतरफा होना चाहिए।

निर्देशन में रखने जा रहीं कदम...

मुंबई। अपनी अलग अदाकारी के लिए मशहूर अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही फिल्म 'कोट्या' से निर्देशन में डेब्यू करने जा रही हैं। राधिका आप्टे ने कई बॉलीवुड फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी की है। उन्होंने पिछले कुछ सालों में 'पैडमैन', 'अंधाधुन', 'मोनिका' और 'माय डार्लिंग' जैसी फिल्मों में बेहतरीन काम किया है। अब राधिका आप्टे एक्शन-फंतासी फिल्म के साथ निर्देशन में कदम रखने जा रही हैं। खबरों के मुताबिक राधिका आप्टे की फिल्म 'कोट्या' एक हिंदी/मराठी एक्शन-फंतासी है। इसमें एक प्रवासी नौजवान की कहानी दिखाई गई है। नायक एक गन्ना काटने वाला शख्स है। जबरदस्ती की एक चिकित्सा प्रक्रिया के बाद नौजवान को कुछ ताकतें मिलती हैं। इसके बाद वह उन ताकतों का इस्तेमाल अपने परिवार का कर्ज उतारने के लिए करता है।

[illegible]

[illegible]

बॉलीवुड के ये गाने हैं महिलाओं के लिए इंस्पिरेशन जुल्म के खिलाफ लड़ने और उड़ने का देते हैं हौसला

नई दिल्ली। आज के दौर में महिलाओं का समाज में उतना ही रसूख है, जितना पुरुषों को है। इसी वजह से महिलाओं को आधी आबादी कहा जाता है। आज महिलाएं सक्सेसफुल हैं, बैंकर हैं, बिजनेस वूमन हैं, क्रिकेटर हैं, एक्टर हैं और पॉलिटिशियन भी हैं। इस इमेज को हासिल करने के लिए महिलाओं ने एक लंबी लड़ाई लड़ी है। महिलाओं के इसी जज्बे को सलाम करने के लिए वुमन्स डे मनाया जाता है। 8 मार्च को वुमन्स डे मनाते हैं। यह दिन सभी महिलाओं के लिए गर्व महसूस करने का दिन है! महिलाओं के लिए इस को एंजॉय करने के लिए बॉलीवुड में ऐसे कई गाने हैं, जो जोश को दोगुना कर देंगे।

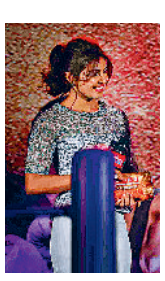

जिद्दी दिल (मैरी कॉम)

प्रियंका चोपड़ा दुनिया भर में लाखों लड़कियों के लिए वास्तविक जीवन की प्रेरणा हैं लेकिन उन्होंने बॉक्सर मैरी कॉम की बायोपिक में शानदार काम कर सबके दिलों में एक अहम जगह बना ली है। 2014 में रिलीज़ हुई स्पोर्ट्स बायोपिक, मैरी कॉम का गाना जिद्दी दिल महिलाओं को हार न मानने की प्रेरणा देता है।

पटाका गुड्डी (हाईवे)

पटाखा गुड्डी एक जादुई गाना है जो एक ही समय में शरीर में कई अलग अलग तरह की एनर्जी का प्रवाह शरीर में कर देता है। भले ही आपका दिन खराब हो, यह गाना आपके कानों पर पड़ते ही अलग आत्मविश्वास का प्रवाह करता है। गाना महिलाओं के फ्रीडम को डेडिकेटेड है और बहुत ही खूबसूरती से गाया गया है।

जीते चल (नीरजा)

सोनम कपूर ने 2016 की बायोपिक थ्रिलर फिल्म नीरजा में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया। एक्ट्रेस ने रियल लाइफ हीरो दिवंगत भारतीय एयर होस्टेस की भूमिका निभाई, जिसने एक हाईजैक हुए विमान से सैकड़ों लोगों को बचाने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया।

धाकड़ (दंगल)

हमारी छोरियां छोरों से कम थोड़ी हैं। जब फिल्म को इस थीम के साथ बनाया गया होगा तो फिल्मों के गाने तो जोश से भरने वाले जरूर होंगे। आमिर खान स्टारर इस फिल्म दंगल रियल लाइफ चैंपियन गीता फोगाट और बबीता फोगाट की जिंदगी पर आधारित है।

राशिफल

मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृष बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी ।लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की

कर्क परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाना हो सकता है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सफलता के योग बन रहे हैं।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सुस्वादु खान-पान में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

तुला शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक किसी पैतृक सम्पत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सद्भाव बनाये रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

मकर मन अशान्त रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ मन शान्त रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। जीवनसाथी के परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है ।नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- फैक्टरी, होटल हेतु सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई (5.7) वेतन 12000/- से 15000/- संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल :- 7746000016, 8720005500.(RO-3160)

कुक/कार क्लीनर

आवश्यकता है- तेलीबांधा के आगे वी.आई.पी. चौक के पास, रायपुर में शाकाहारी खाना एवं अन्य घरेलू कार्य करने के लिए पुरुषो की आवश्यकता है। ग्रामीणों को प्राथमिकता। पान, गुटखा, तंबाकू या किसी प्रकार का नशा न करने वाले व्यक्ति संपर्क करें। संपर्क करें: 9300593000.(RO-1243)

लोडिंग/अनलोडिंग कार्य

आवश्यकता है- थोक व्यवसाय में कार्य करने हेतु अनुभवी ट्रांसपोर्ट लोडिंग व अनलोडिंग के लिए व्यक्ति की आवश्यकता है संपर्क समय 3 से 6 चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29-30 प्रथम गेट टैक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658, 9425206658.(RO-7254)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- OMI COMPANY को ऑफिस हेतु 10वी से ग्रेजुएट 18 से 28 वर्ष के युवक / युवतीयों की आवश्यकता है , आय 8500 से 18000 + रहना खाना , संपर्क करे , स्मृति नगर भिलाई ,8818877409, 9303375986 (RO-6250)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य , कंप्यूटर कार्य एवं फील्ड कार्य हेतु 3 लेडिज की आवश्यकता है प्रेशर भी स्वीकार्य। संपर्क करें- रायपुरियन्स- रायपुर - 9399056525, 7000474954 (आरो-581)

ऑपरेटर/हेल्पर

आवश्यकता है- थोक व्यवसाय में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समेन ,कंप्यूटर ऑपरेटर व हेल्पर की आवश्यकता है संपर्क समय 3 से 6 चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29-30 प्रथम गेट टैक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658, 9425206658.(RO-7253)

ऑपरेटर/प्रेस/स्टीम

आवश्यकता है- पुरुष कंप्यूटर ऑपरेटर ,प्रेस / स्टीम कार्य के लिए अनुभवी महिला / पुरुष तथा कपड़ा धुलाई के लिए महिला की आवश्यकता है पता - टीचर्स कॉलोनी न्यू सिटी ड्राइक्लीन्स रायपुर छ.ग मो.- 7326847433 , 8819021779.(RO-4072)

प्रशिक्षक ड्रायवर

आवश्यकता है- ड्राइविंग स्कूल में कार सीखाने के लिए प्रशिक्षक ड्राइवर चाहिए संपर्क करे नेहरू नगर चौक भिलाई मो.98279-52309,70007-91002 (आरो नं.-697)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है फोर व्हीलर गाड़ी चलाने हेतु कुशल अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क राज ट्रैवलिंग राज टॉकीज के सामने बाम्बे मार्केट रायपुर 9303118545(RO-580)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- कार्य करने योग्य व्यक्ति ही संपर्क करें कंप्यूटर ऑपरेटर , सेल्समैन , सेल्स गर्ल्स, टेलर वेतन योग्यतानुसार संपर्क जनता फर्निशिंग होलसेल क्लॉथ मार्केट पुलगांव चौक दुर्ग फोन : 7999620990 (आरो-1516)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी/ गैर अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है सैलरी 8000/- से प्रारंभ (प्लेसमेंट एजेंसी संपर्क नहीं करें) संपर्क- श्री मेडिकल एजेंसी 27 पुराना मेडिकल काम्पलेक्स राजबंधा मैदान के पास रायपुर मोबाइल 9753407922 (RO-6248)

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- कलेक्शन एजेंसी में टेलीकॉलर और सिस्टम मे काम करने के लिए लड़की महिला की आवश्यकता है पद- टेलीकॉलर, वेतन योग्यताअनुसार समय 9:30 a.m से 7:30 p.m पता छुगानी प्राईड रायपुरा छुगानी मो. 8718965956, 9827654621(RO-6247)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

सैल्समैन

आवश्यकता है- शेषांक मसाले रायपुर में, सेल्समैन की आवश्यकता हैं, फ्रेशर और अनुभवों को प्राथमिकता, संपर्क करें- मो. 9993453132, 9893217793.(RO-6972)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- हार्डवेयर दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। शीघ्र संपर्क करे - वैशाली हार्डवेयर, शक्ति नगर, शंकर नगर, रायपुर मो. - 9399225711 , 7067044445.(RO-150)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिकल दुकान में कार्य हेतु युवक / युवती की आवश्यकता है। वेतन 8000 - 12000, बायोडाटा सहित सम्पर्क करे- डी एंड आर इंटरप्राइजेस, जवाहर नगर, ऋषभ चेम्बर, रायपुर 9754869000 (आरो-182)

असिस्टेन्ट/बिलिंग कार्य

आवश्यकता है- (1) वेजीटेबल शॉप अस्सिटेंट (2) वेजीटेबल डिलीवरी स्टाफ (3) बिलिंग & डेटा एंट्री स्टाफ Timings- 8- AM To 6-PM, Age 18-45 yrs, वेतन 10,000/- खुद के 2-व्हीलर और स्मार्ट फोन, Contact- शॉप नं-3, शास्त्री मार्केट, रायपुर 9039043916, 8319726147.(RO-om)

टिफिन सेंटर

आवश्यकता है- टिफिन सेंटर में खाना बनाने के लिए मिस्त्री और हेल्पर महिला /पुरूष की एवं टिफिन डिलीवरी के लिए लडके की आवश्यता है टेस्ट आफ पंजाब गोलछा इंकलेब के सामने अमलिडीह रायपुर 9826162764 (आरो-579)

हाउसकीपिंग/ड्रायवर

आवश्यकता है- देवपुरी रायपुर में कार्य करने हेतु हाउसकीपिंग, सुपरवाईजर, इलेक्ट्रीशियन ,ड्राइवर (लक्जरी ऑटोमैटिक कार अनुभवी), सुरक्षा गार्ड, पाँच वर्षीय अनुभवी ही संपर्क करें- 7223099595(RO-157)

वर्क फ्राम होम

आवश्यकता है- WORK FROM HOME आयुर्वैदिक कंपनी के लिए प्रत्येक एरिया से COMPUTER ऑपरेटरों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन 8000 + योग्यतानुसार - 6268279954 (आरो न.-1527)

अन्य

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:- 7439736348.(RO-704)

आवश्यकता है- नौकरी ही नौकरी तहसील स्तरीय भर्ती पद संख्या 975 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली सिपाही ड्राइवर वेतन 27500+52400 तक आवेदन करने के लिए आधार कार्ड मार्कशीट पैन कार्ड व्हाट्सएप करे 7460994309.(RO-716)

हरिभूमि क्लासीफाईड

क्या आप देना चाहते है... अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद "तलाश की नई सुबह" वो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड
Space Available for Ad.
6263818152

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000-50,000/- प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क:- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर - 9111760925, 7477221345, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871. (RO-3194)

Services सर्विसेस

सर्विस - आंचल अमृततुल्य स्वंय का दुकान डाले, बिजनेस करे बिना रिस्क के, कम पूंजी लगाकर या सैलरी में एग्रीमेंट के साथ संपर्क करें ,8234095610 समवेत शिखर कॉम्पलेक्स, दूसरा मंजिल, रायपुर (छ.ग.) (RO-3316)

Property प्रापर्टी

बेचना है- चांगोराभाटा 800 वर्गफुट में 2 BHK मकान, कार पोर्च, पीओपी किया हुआ सर्वसुविधायुक्त स्वतंत्र नया मकान बेचना है संपर्क करे मोबाइल नंबर:- 9300505421, 9993451070.(आरो-3357)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

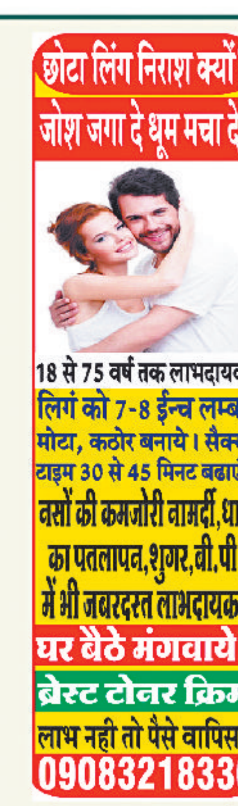

शब्द पहेली - 5800

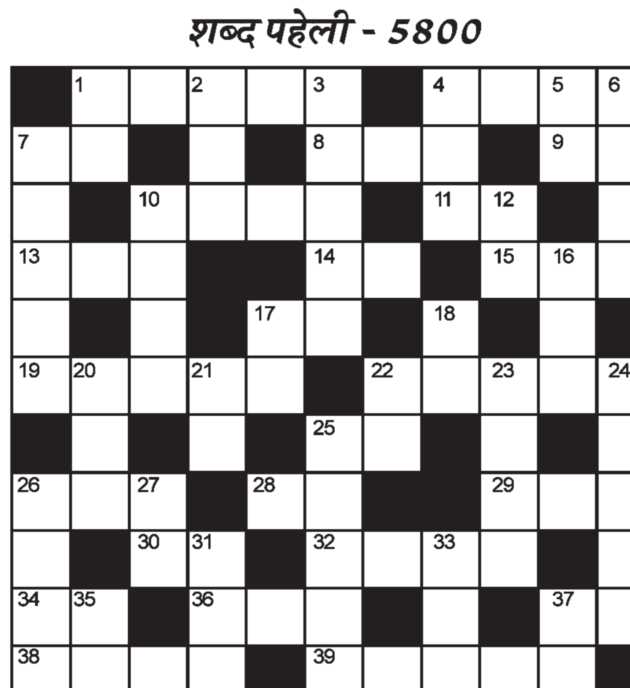

बाएँ से दाए-
1.दयालु.उदार-5
4.गगन,आकाश-4
7.सरिता-2
8.चोगा,गाऊन-3
9.छुट्टी,अवकाश-2
10.आबे हयात,काबा कूप-4
11.रिहा-2
13.खाना,भोजन करना-3
14.जिद-2
15.हिम्मत,बल-3
17.कारागार-2
19.रइसे आजम,सूरी-5
22.दुत्कारना,डांटना-5
25.सराबोर-2
26.भोर,सवेरा-3
28.मूल्य,कीमत-2
29.महीन,बहुत छोटा-3
30.फूंक,दम,सुट्टा -2
32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
34.उष्णता,ज्वर-2
36.ओट,चिलमन-3
37.छोटा टुकड़ा-2
38.सराबोर,सना हुआ-4
39.निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.कैदी,बंधक-2
2.मुलायम-3
3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
4.उर्दू में अभिवादन-3
5.पिटाई,चोट-2
6.नाजुकता-4
7.नया जीवन-5
10.मर्यादा-4
12.खाली,रिक्त-2
16.लाईन,पंक्ति-3
17.गर्मी का महीना-2
18.उदर-2
20.दीनहीन,दरिद्र-3
21.लश्कर,फौज-2
22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
23.व्यवसाय,धंधा-4
24.नाम रखना -2,3
25.होशियार-5
26.सुर आलाप-2,2
27.अधिकार-2
31.प्रतिज्ञा-3
33.आकांक्षा,अभिलाषा-3
35.राह,मार्ग-2
37.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 5799 का हल

सूडोकु नवताल - 5810

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5809 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

जैकेट के शेष

लड़कियों के लिए ....

पड़ा। उन्हें आज भी लगाता है कि छोटे कपड़ों में खड़ा होना शर्म की बात है। लेकिन समाज और परिवार में ऐसी मानसिकता वाले लोगों की बातों को मैंने शुरू से नजरअंदाज किया। इस फील्ड में आने के लिए लड़ाई भी करनी पड़ी। बॉडी बिल्डिंग के लिए शरीर बनाना सिर्फ जिम जाने से नहीं होता, यह एक 24 घंटे का काम है। एक महिला के लिए अपनी मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखना पुरुषों से अधिक कठिन होता है, क्योंकि पुरुषों का शरीर बॉडी बिल्डिंग के लिए बना है महिलाओं का नहीं। इसलिए यहां भी चुनौतियां अधिक होती है।

कभी हिम्मत नहीं ....

और मानसिक रूप से तैयार होकर उस प्रतियोगिता में भाग लिया। परिणामस्वरूप मैंने पहला स्थान प्राप्त किया और साबित किया कि अगर इरादा मजबूत हो, तो कोई भी मुश्किल बाधा नहीं बन सकती।

वजन बढ़ाने के ....

टाइटल जीत चुकी हैं और अब वह इंटरनेशनल लेवल पर भाग लेने की तैयारी कर रही हैं।

जीवन कठिन बन ....

और अपने सपनों को पूरा कर सकती है।

बॉडी फिट, लाइफ ....

जिंदा रखने का संदेश दे रहे हैं। महिला दिवस के मौके पर इस बार उन महिलाओं की कहानी जो उम्र का चौथा दशक पार कर पांचवें दशक में कदम रख चुकी हैं। इसके बाद भी घर-परिवार की अपनी जिम्मेदारियां निभाते हुए नौकरी संग खेल और फिटनेस सेक्टर में अपना लोहा मनवा रही हैं। इनमें से कई तो ऐसी हैं, जिन्होंने चौथे-पांचवें दशक में ही पहली बार अपने खेल की शुरुआत की।

फिलहाल सिंगल, घर ....

अलग तरह का सुकून मिलता है। घर में मेरे अलावा सिर्फ मां हैं। मां को नहीं बताती की बॉडी बनाने के लिए स्टेरॉयड लेती हूं। मां को इन सब चीजों से डर लगता है, लेकिन जब जीतकर आती हूं तो सबसे ज्यादा खुशी भी उन्हें ही होती है। मैं अभी सिंगल हूं। अधिक से अधिक वक्त बॉडी बिल्डिंग, वेट लिफ्टिंग और फिटनेस कोचिंग को देना चाहती हूं। कितनी भी विपरित परिस्थितियां रहें मैं रोजाना कम से कम तीन घंटे का समय वेट लिफ्टिंग और बॉडी बिल्डिंग में देती ही हूं।

जब आपको हार ...

शब्दों में नहीं की जा सकती। लेकिन अभी मेरी जर्नी खत्म नहीं हुई है अभी मुझे ओर भी बहुत कुछ करना है।

मेरा जीवन ही संघर्षों से भरा हुआ था : मप्र के इंदौर की रहने वाली वंदना ठाकुर ने कहा कि मेरा जीवन ही संघर्षों से भरा हुआ था, क्योंकि बहुत छोटी थी तब कारगिल वॉर में मेरे पिता शहीद हो गए थे, उसके बाद मां को कैंसर हुआ और वे भी नहीं रहीं। घर में मैं अकेली ही लड़की थी, इसके बाद जैसे-तैसे मेरी पढ़ाई हुई। मुझे अपनी पढ़ाई के लिए छोटी सी गुमटी भी चलानी पड़ी। दसवीं तक की पढ़ाई की और उसके बाद मुझे क्रिकेट खेलने का शौक लगा, मैंने क्रिकेट भी खेला। उन्होंने कहा कि मैंने क्रिकेट ज्वाइन किया, लेकिन क्रिकेट किट खरीदने के लिए भी मेरे पास पैसे नहीं थे, तो मैं क्रिकेट छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद मैंने जिम ज्वाइन किया और वहां पर मुझे पावर लिफ्टिंग के बारे में पता चला और फिर पावर लिफ्टिंग में ही में लग गई, जिसमें मैंने स्टेट और नेशनल लेवल तक गोल्ड जीता और इंटरनेशनल के लिए मैंने दिल्ली में जाकर खेला, क्योंकि 2017 में इंटरनेशनल कॉम्पिटीशन दिल्ली में ही हुआ था, जिसमें मैंने गोल्ड जीता।

लोगों ने मजाक ....

चैंपियनशिप के बीच में मेरी लेग इंजुरी भी हो गई थी। जिस वजह से डॉक्टर ने मुझे कंप्लीट बेड रेस्ट के बारे में बोला और फिर भी मैंने हार नहीं मानी और एशिया लेवल पर सिल्वर और वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रांज मेडल जीता और 2025 में इंडिया की मिस बॉडी बिल्डर बनी।

विवेकानंद की शिक्षाओं ...

लड़कियों को अपने संदेश से प्रेरित करती हैं, बेटी किसी से नहीं है कम, बेटियों से ही मिलेगी देश को दम। नैना की अविश्वसनीय उपलब्धियां एनएसएस मंच के सहयोग से संभव हुईं, जो युवाओं को उनके जुनून को पूरा करने में प्रोत्साहित और समर्थन करता है। उसने कहा मुझे अपने जीवन का वह शुभ दिन याद है जब 1 जून 2021 को मैंने माउंट एवरेस्ट के साथ-साथ माउंट ल्होत्से पर भी सफलतापूर्वक चढ़ाई की थी।

पेज एक के शेष

चार दशक का ...

पति अख्तर हुसैन व इंजीनियर पुत्र अफरोज व बेटी आफरीन ने बहुत हौसलाआफजाई की। मेरी हाइट कम थी, सो मैंने स्पीड के रेसिंग पर ध्यान केंद्रित किया। मेरा ड्रीम अब विदेश में कुछ नया करने का है। हीरोइन उर्मिला मातोंडकर, प्रीति झिंगयानी व रजा मुराद सम्मानित कर चुके हैं।

परिवार से ...

एडवेंचर व रेसिंग की तैयारी कर रही हैं। वे बताती हैं कि पति व बच्चों के संबल से ही यहां तक पहुंची हैं। परिवार प्राउड फील करता है। फिर खतरा तो सब जगह है। जो डर गया वो कुछ नहीं कर सकता है।

प्रेक्टिश, संतुलित खानपान, आत्मविश्वास और पति व परिवार से ही ही हौसला व स्टेमिना व सफलता मिलती है। पति व दोनों बच्चे भी स्काई जंपिंग कर चुके हैं। बताती हैं कि मेरे सामने भी चूल्हा चौक था लेकिन इच्छाशक्ति से मंजिल मिली। शौक एडवेंचर है। तेईस में दुबई में मांडलिंग भी की, जिसमें सुपर मांडल रनरअप का खिताब मिला।

स्ट्रांग वूमेन अंजू ...

दस वर्ष का सफर : पावर लिफ्टिंग की शुरूआत उन्होंने लगभग 40 वर्ष आयु वर्ग से की। वहीं लगभग 10 वर्षों से वह पावर लिफ्टिंग के क्षेत्र में लगातार सफलता प्राप्त कर रही है। आज 50 वर्ष आयु पूरी करने के बाद भी अंजू सिंह में वही 10 वर्ष पुराना जोश और उत्साह नजर आता है। उम्र को दरकिनार कर समय के साथ उनका लक्ष्य भी बढ़ रहा है।

नेशनल में जीते गोल्ड : पावर लिफ्टिंग के क्षेत्र में शुरूआती दौर में अंजू सिंह को एक-दो मैच में उतनी सफलता नहीं मिली, लेकिन इसके बाद उन्होंने खुद को तराशा और राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उन्होंने चार गोल्ड मेडल दो सिल्वर मेडल और तीन ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किए हैं।

छत्तीसगढ़ स्ट्रांग वूमेन : पावर लिफ्टिंग के क्षेत्र में अपने बेहतर खेल की बदौलत अंजू सिंह ने छह बार छत्तीसगढ़ स्ट्रांग वूमेन का खिताब अपने नाम किया है। वहीं बीते 18 से 22 जनवरी तक दल्लीराजहरा में आयोजित हुई प्रतियोगिता में उन्हें स्ट्रांग वूमेन ऑफ द इंडिया का टाइटल दिया गया है।

पति से मिला हौसला : पुलिस विभाग में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ अंजू सिंह के पति डीएसपी राकेश सिंह राजनांदगांव के आठवीं बटालियन में असिस्टेंट कमांडेंट हैं। अंजू सिंह के पावर लिफ्टिंग के जुनून को उन्होंने हौसला दिया और उनके कोच बनकर हर कदम उनका साहस बढ़ाया।

राष्ट्रीय स्पर्धा की तैयारी : पावर लिफ्टर अंजू सिंह वर्तमान में अपने विभागीय कार्यों का दायित्व निभाने के साथ ही आगामी दिनों में कानपुर में आयोजित होने वाले नेशनल पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता और अगस्त माह में आंध्रप्रदेश में आयोजित होने वाले ऑल इंडिया पुलिस मीट की राष्ट्रीय स्पर्धा में हिस्सा लेने अपनी तैयारी कर रही है। अंजू सिंह इन दोनों स्पर्धा में भी अपना बेहतर प्रदर्शन करते हुए मेडल हासिल करने जुटी है।

धरती से लेकर ...

समय-सीमा में पूरी करनी होती है दौड़ : पचास किलोमीटर की प्रोकैम स्लैम भारत में सबसे प्रतिष्ठित रनिंग चैलेंज में से एक है। इस खिताब को जीतने के लिए धावक को एक ही सीजन में क्वालीफाई समय-सीमा के भीतर सभी चार प्रमुख प्रोकैम दौड़ पूरी करनी होती है।

दुर्ग जिले में कार्यरत : प्रियंका श्रीरंगे ने 2005 में लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण की और तब से लेकर अब तक छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों रायपुर, धमतरी, दुर्ग, बालोद, राजनांदगांव में अपनी सेवाएं दी है। वर्तमान में वह दुर्ग जिले की जिला पंजीयक के रूप में कार्यरत है।

दूर हो गई परेशानियां : प्रियंका श्रीरंगे का कहना है कि उनके जुनून में उनके परिवार ने उनका काफी साथ दिया है। वह बताती है कि कभी उनके पैरों में दर्द रहा करती थी, लेकिन जब से उन्होंने रनिंग करना शुरू किया है, तब से शारीरिक परेशानियां दूर हो गई है।

फुल मैराथन में भी दिखाया दम : उन्होंने वर्ष 2023 अपोलो दिल्ली फुल मैराथन, 2024 में टाटा मुंबई फुल मैराथन, 2025 में टाटा मुंबई फुल मैराथन को पूरा किया।

पचास किमी अल्ट्रा मैराथन : अपने हौसले और जुनून से प्रियंका श्रीरंगे ने एक धावक होते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जिसमें उन्होंने हाल ही में लोनावला में अयोजित टाटा अल्ट्रा मैराथन में 50 किलोमीटर का सफर तय किया है।

एक्सेप्ट एवरी चैलेंज : प्रियंका श्रीरंगे ने महिला दिवस पर महिलाओं को संदेश के रूप में कहा है कि आपका जुनून में उम्र कभी बाधा नहीं बनती है। किसी भी कार्य का उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा है कि एक्सेप्ट एवरी चैलेंज जस्ट डू इट।

रायपुर की दौड़ ...

ऊंचाई पर दौड़ी। वहीं एयरटेल हैदराबाद हाफ मैराथन, वर्ष 2023 में टाटा मुंबई हाफ मैराथन, 2024 में वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में हिस्सा लिया।

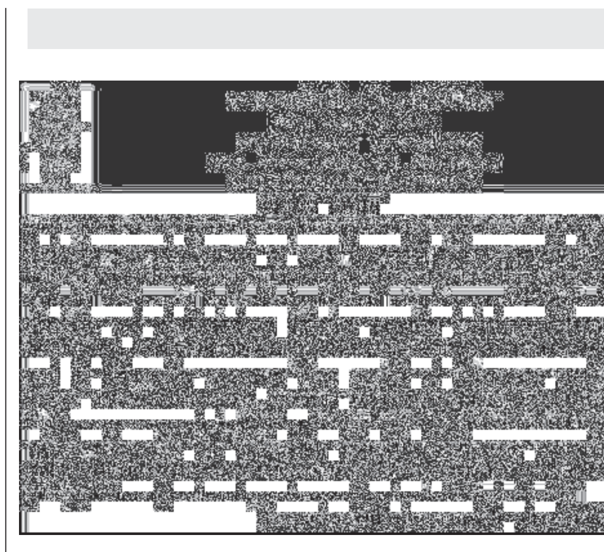

छत्तीसगढ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड,
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.म.की उत्तरदायी कंपनी)

क्र./051-5500/जनसंवाद/सिल./1976 सिलतरा दिनांक 07.03.2025

// आवश्यक सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (सं./ सं.) संभाग छ.स्टे.पा.डि.कं.लि. सिलतरा के अंतर्गत 33/11 के.व्ही सबस्टेशन कुम्हारी से निकलने वाली नई 11 के.व्ही. चिखली बस्ती, फीडर, जिससे ग्राम कुम्हारी, चिखली से होकर, ग्राम- चिखली, सोण्ड्रा एवं सिलतरा को विद्युत आपूर्ति की जानी है, को दिनांक 08.03.2025 या उसके पश्चात ऊर्जीकृत किया जावेगा, अतः दिनांक 08.03.2025 से उक्त नई लाईन को ऊर्जीकृत माना जावें।

अतः उक्त लाईन के विद्युत पोलो, स्टे इत्यादि से दूरी बनाये रखे, उससे छेड़छाड़ ना करें एवं आसपास न जावे, मवेषियों आदि न बांधे किसी भी तरह का निर्माण कार्य एवं छेड़छाड़ न करें।

कार्यपालन अभियंता
(संचा./ संधा.) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं.लि. सिलतरा

S-43148/1

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821

NO.021-10/PUBLICATION/ 943 Korba West, dtd. 06.03.2025

e-Bidding TENDER NOTICE No. 1330/2025.

Online tenders are invited from Experienced & Prospective Firms for the following Work/Supply:

S. No	Rfx No.	Particulars	Cost of tender doc.	E.M.D. (Rs.)	Last date of submission & opening
1.	Rfx No. 8100041955	Supply of Plain Bearing and Rapping Hammer Assembly for CERM & EERM of ESP of 210 MW, ABL Boiler of KWB.	590/-	11,815/-	27.03.2025
2.	Rfx No. 8100041961	Procurement of Cast Iron Body Hand Wheel Operated Gate Valves and NRV along with a pair of Companion flanges & fasteners for Tur.Aux. Maint. Div. 4x210 MW, KWB.	590/-	12,775/-	01.04.2025
3.	Rfx No. 8100041957	Supply of Mineral wool mattress for 2x210 MW, BHEL Boilers of Unit No. 1 & 2, HTPS, Korba West.	590/-	10,470/-	28.03.2025
4.	Rfx No. 8100041954	Supply of Pulley 800x1400 face tail shaft Dia 115MM for 1200MM conveyor belt without bearing, Bearing Block and Lagging for HTPS, Korba West.	590/-	11,720/-	28.03.2025

NOTE:-1.Payment of Tender cost & EMD shall be done online through e-bidding portal. The tender documents can be seen from our website www.cspc.co.in– e-Bidding 2. Quantity as per tender schedule.

SAVE ENERGY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION

SUPERINTENDING ENGINEER (P-1)
O/o THE ADDL. CHIEF ENGINEER (S&P),
HTPS. CSPGCL. KORBA WEST

SUPRINTENDENT PHYSICAL PLANT INDIRA GANDHI KRISHI VISHWAVIDYALAYA, RAIPUR

No. 867 Dated: 06.03.2025

NOTICE INVITING E-TENDER

Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in Sub Portal: https://igkv.ac.in

Office Phone No. -0771-2442203, Mail ID-igkvspp@gmail.com

No	Name of Work	E-Tender No.	Tender call	Cost of Document	Completion period	EMD amount Rs
	Online percentage rate bids for the following works are invited : Start date 05/03/2025 last date 12/03/2025 by 05.00 pm.					
1	Architect Selection for Preparation of DPR, Drawing, Design,Renovations, Interior and furnishing, landscaping, surveying of various campus and stations governed under IGKV University	165562	3rd Call	5000.00	12 Month	100000.00

S-43141/2

Superintendent Physical Plant
IGKV Raipur (CG)

OFFICE OF MUNICIPAL COUNCIL GOBRA NAWAPARA, DIST- RAIPUR (C.G.)

E-Procurement Tender Notice (2nd Call)

NIT NO. 2388/2392/2390 Gobra Nawapara, Dated : 07/03/2025

Municipal Council Gobra Nawapara Online bids are invited for the following construction works/ up to date 24-03-2025 at 17:30 Hours.

Sl. No.	SYSTEM TENDER NO	Description	Amount of Estimated (in lacs)	EMD/Cost of Tender Form /Bid Submission Fees
1	165729	Beautification of Work of Shitla Talab At Ward No. 20 Municipal Council Gobra Nawapara [CG PWD Building/Road SOR w.e.f. 01.01.2015 & Electrical SOR 01.06.2020, NON SOR Item]	28.60	EMD Rs. 21500.00 DD Rs. 1500.00
2	165732	Construction of Toilet Block Type-2 (10 Seater) Aspirational Toilet at Ward no. 05 Near Nehru Ghat Gobra Nawapara as per enclosed specifications and drawings including Defect liability period of 48 months from the date of completion. [CG PWD Building/Road SOR w.e.f. 01.01.2015 & Electrical SOR 01.06.2020, NON SOR Item]	28.20	EMD Rs. 21200/- DD Rs. 1500/-
3	165730	Construction of Toilet Block Type-2 (10 Seater) Aspirational Toilet at Ward no. 16 Somwari Bajar Gobra Nawapara as per enclosed specifications and drawings including Defect liability period of 48 months from the date of completion. [CG PWD Building/Road SOR w.e.f. 01.01.2015 & Electrical SOR 01.06.2020, NON SOR Item]	28.20	EMD Rs. 21200/- DD Rs. 1500/-

The details can be downloaded online directly from the Government of chhattisgarh. e-Procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in And https://uad.cg.gov.in/ from 07.03.2025 at 17:30 Hours. (IST) onwards.

For more details on the tender and bidding process please visit the above mentioned portal.

CHIEF MUNICIPAL OFFICER
MUNICIPAL COUNCIL GOBRA NAWAPARA

कार्यालय नगर पालिक निगम, धमतरी (छ.ग.)

क्रमांक/आयुक्त/ राजस्व/2025/ नि.सू./9619 धमतरी दिनांक 07.03.2025

-:: दर प्रस्ताव आमंत्रण सूचना ::-

नगर पालिक निगम धमतरी द्वारा पीपीपी (पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर दुकान का निर्माण जनपद कार्यालय के पास महात्मागांधी वार्ड पर किया जाना प्रस्तावित है एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं इच्छुक फर्म / संस्था / व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि दुकानों को किराये पर आबंटन किये जाने हेतु द्वि लिफाफा पद्धति के माध्यम से सील बंद लिफाफे में प्रस्ताव / दर स्पीड पोस्ट के माध्यम से निम्नानुसार आमंत्रित किया जाता है।

स. क्र.	काम्पलेक्स का नाम	दुकान क्र.	आरक्षण	प्रीमियम राशि (सरकारी बोली प्रतिदुकान)	अमानत राशि (प्रतिदुकान) एफ.डी.आर. द्वारा	मासिक किराया (प्रतिदुकान)	लीज अवधि
1	जनपद कार्यालय के पास महात्मागांधी वार्ड शॉपिंग काम्पलेक्स	01	सामान्य	256500.00	64150.00	1026.00	03 वर्ष
		02	सामान्य	256500.00	64150.00	1026.00	03 वर्ष
		03	सामान्य	256500.00	64150.00	1026.00	03 वर्ष
		04	अपिव	256500.00	64150.00	1026.00	03 वर्ष
		05	अजा	256500.00	64150.00	1026.00	03 वर्ष
		06	अजजा	256500.00	64150.00	1026.00	03 वर्ष
		07 से 08	सामान्य	378500.00	94650.00	1514.00	03 वर्ष
		09	शि. बेरो.	378500.00	94650.00	1514.00	03 वर्ष
		10	महिला	378500.00	94650.00	1514.00	03 वर्ष
		11	अपिव	378500.00	94650.00	1514.00	03 वर्ष

01. कोरा निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 17.03.2025 कार्यालयीन अवधि तक
02.निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि - 20.03.2025 कार्यालयीन अवधि तक
03.निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 01.04.2025 कार्यालयीन अवधि तक
04.निविदा खोलने की तिथि - 02.04.2025 को 4:00 बजे (संध्या)

इच्छुक व्यक्ति दर प्रस्ताव आमंत्रण में भाग लेने हेतु निवास संबंधी आई.डी. प्रुफ एवं आरक्षित वर्ग क उम्मीदारों को वांछित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। अन्य जानकारी एवं नियम शर्ते कार्यालयीन अवधि में निगम कार्यालय के राजस्व शाखा से प्राप्त की जा सकती है। विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में अवलोकन भी की जा सकती है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम धमतरी

कार्यालय नगर पालिका परिषद् डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)
email - cmodongargarh@rediffmail.com

क्रमांक/1240/ चैत्र मेला / न.पा.प./2024-25 डोंगरगढ़, दिनांक 06/03/2025

।। निविदा आमंत्रण सूचना ।।

चैत्र नवरात्रि मेला 2024-25 में नगरपालिका परिषद डोंगरगढ़ द्वारा नगरपालिका टूरिस्ट लॉज स्थित वाहन पार्किंग एवं मीना बाजार प्रदर्शनी तथा आश्रय स्थल के सामने क्राफ्ट मेला को दिये जाने कर निविदा के लिए ईच्छुक व्यक्ति/निविदाकार से मोहर बंद निविदा आमंत्रण सूचना (03 लिफाफा) पद्धति द्वारा पंजीकृत डॉक, स्पीडपोस्ट के माध्यम से निविदा दर आमंत्रित करती है।

निविदा आमंत्रण सूचना प्राप्त करने हेतु आवेदन के साथ आधार कार्ड, पेनकार्ड आदि की छायाप्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

क्रं.	विवरण	ठेका अवधि	न्यूनतम शासकीय राशि
01	मीना बाजार (प्रदर्शनी) (28,500 sqf)	चैत्र नवरात्रि मेला 2024-25	5,52,690/-
02	वाहन पार्किंग (टूरिस्ट लॉज पार्किंग ग्राउण्ड)		1,96,650/-
03	क्राफ्ट मेला 2025 आश्रय स्थल के सामने (48) नग साईज 5856 sqf)	चैत्र नवरात्रि मेला 2024-2025	84,000/-

क्रं.	विवरण	तिथि
01	आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	10/03/2025
02	ऑफर/निविदा पत्र जारी करने की तिथि	12/03/2025 (कार्यालयीन अवधि तक)
03	ऑफर/निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	21/03/2025 (दोप. 03:00 बजे तक)
04	ऑफर/निविदा खोलने की तिथि	21/03/2025 (संध्या 04:00 बजे से)

नियम एवं शर्ते :- 1. सशर्त निविदा/ ऑफर स्वीकार नहीं की जावेगी। 2. निविदा/ऑफर स्वीकृत / अस्वीकृत / निरस्त करने का सर्वाधिकार मु.न.पा. अधिकारी को सुरक्षित रहेगा। 3. अमानत राशि (राष्ट्रीयकृत बैंक का एफडीआर) / मीना बाजार 50,000/-, वाहन पार्किंग 20,000/-. क्राफ्ट मेला -10000/- (पंजीकृत निविदाकार) तथा आवेदन शुल्क-500/- काफ्ट मेला-100/- निर्धारित है। 4. 4. नियम एवं शर्ते कार्यालयीन अवधि में राजस्व शाखा में अवलोकन किया जा सकता है। 5. निकाय द्वार समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। वाद-विवाद की स्थिति में निकाय का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। 6. निविदा प्रक्रिया तिथि में अवकाश होने की स्थिति में अगले कार्यालयीन दिवस में प्रक्रिया की जावेगी।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद डोंगरगढ़

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice

Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G. P.W.D in new Registration system (unified Registration system) for the following work :-

NIT No.	Name of work	Probable amount of contract	date of bid submission
85/SE E/M/2024 (II Call) System Tender No 165636Registered contractor class in "D" & .above For Form "A" (Percentage Rate Tender)	PROVIDING FIRE ALARM WORK AT 20 COURT AND 12 NO. NEW COURT BUILDING DURG.	Rs 38.80 Lacs	20.03.2025

Note: - The tender documents can be downloaded from the web-portal http://eproc.cgstate.gov.in. Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.

Superintending Engineer
P.W.D., E/M Circle Raipur (C.G.)

G-242505839/2

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(Notice Inviting Tender) Second Call

NIT NO:-25I/EE/M.W./2025 RAIPUR DATED: 05/03/2025

Online bids are invited for the following works up to 26-03-2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Description of work	Quantity	Probable amount of Contract
1	165613	Supply of Vehicles with high speed water mist spray system on reduction of airborne particulate matter	02 Nos.	49.50 Lakh

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in in from 05.03.2025 11.00 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal. NIT details and other document.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.,
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. Contact Number - 8223840510

घरो से निकलने वाले गीला और सुखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

COMMISSIONER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला- सारंगढ़ - बिलाईगढ़ (छ.ग.)
Email :- cmhosarangarh2022@gmail.com
Telephone :- 07768-299051

क्र./स्था. अवि / 2025/3417 सारंगढ़, दिनाँक 04.03.2025

प्रति,

श्रीमती मालती भगत, आरएचओ महिला, उपस्वास्थ्य केन्द्र टिमरलगा, सामु.स्वा. केन्द्र, सारंगढ़ निवास पता - कु. मालती भगत, पिता श्री सीताराम भगत, ग्राम पो. मल्दा ब, तहसील सारंगढ जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

विषयः- कार्य पर अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के संबंध में अंतिम सूचना।

संदर्भः- 1. संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें छ.ग. का पत्र क्रमांक / स्था. अवि /2024/1503/ अटल नगर रायपुर दिनांक 27.12.2024 2. कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सारंगढ़ का पत्र क्रमांक स्था. /2025/ 267 सारंगढ़, दिनांक 28.01.2025 3. इस कार्यालय का पत्र क्रमांक/ स्थापना नर्सिंग/2025 /1470 / सारंगढ़ दिनांक 31.01.2025

संदर्भित पत्र क्रमांक 01 मे प्राप्त निर्देशानुसार जिला अंतर्गत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी संवर्ग के कार्यरत कर्मचारी जो कि 03 वर्ष से अधिक अवधि तक अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित है, उनके विरूद्ध छ.ग. शासन सामान्य प्रशासन विभाग (नियम शाखा) मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर के पत्र क्रमांक /एफ 3-1/2024/1-3/ नवा रायपुर दिनांक 14.05.2024 के तहत सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 7 के प्रावधानों के अनुरूप तत्काल कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उपरोक्त संदर्भित पत्र क्रमांक 02 में प्रेषित जानकारी अनुसार आप बिना किसी पूर्व सूचना के विगत दिनांक 26.11.2011 से आज दिनांक तक निरंतर अपने कार्य से बिना किसी सूचना के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित है। संदर्भित पत्र क्रमांक 03 के माध्यम से आपको कार्य में उपस्थिति हेतु अंतिम सूचना जारी की गयी थी, परंतु आपके द्वारा आज दिनांक तक अपने कार्य पर उपस्थिति प्रस्तुत नहीं की गयी है । अतः कार्य में उपस्थित होने हेतु सूचना समाचार पत्र में प्रकाशन किया जा रहा है। अतः आप उपरोक्तानुसार अपने कार्य पर 15 दिवस के भीतर उपस्थिति प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें, अन्यथा आपके विरूद्ध एकतरफा सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही संस्थित करते हुए आपकी सेवा समाप्ति की कार्यवाही की जावेगी, जिसकी संपूर्ण जवाबदारी आपकी स्वयं की होगी ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला - सारंगढ़ - बिलाईगढ़ (छ.ग.)

G-242505827/2

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202408123100001 / ब - 121 / वर्ष 2023-24
ग्राम - गांजर, प.ह.नं. 02, रा.नि.मं. मुनगासेर,
तहसील-कोमाखान, जिला - महासमुन्द (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, कार्यालय कलेक्टर महोदय जिला महासमुन्द (छ.ग.) के ज्ञापन क्रमांक/720/क/वाचक/2024/महासमुन्द, दिनांक 11.08.2023 के अनुसार आवेदक कार्यपालक यंत्री (सं./सं.) संभाग, छ.स्टे. पॉ. डिस्ट्री.कं. लिमि. महासमुन्द द्वारा ग्राम गांजर प.ह.नं. 02 रा.नि.मं. मुनगासेर तहसील कोमाखान जिला महासमुन्द में 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र निर्माण हेतु भूमि आबंटित किये जाने निवेदन किया गया है। जिसके अनुसार तहसील कोमखान अंतर्गत ग्राम गांजर, प.ह. नं. 02 रा.नि.मं. मुनगासेर तहसील कोमाखान जिला महासमुन्द (छ.ग.) स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 230 रकबा 7.890 हे. में से 0.400 हे. को कार्यपालन यंत्री (सं./सं.) संभाग, छ.स्टे. पॉ. डिस्ट्री. कं. लिमि. महासमुन्द के नाम पर 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र निर्माण हेतु आबंटित किये जाने के संबंध में जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त आवेदन पर ग्राम गांजर स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 230 रकबा 7.890 हे. में से रकबा 0.400 हे. भूमि को आवेदक संस्था के नाम पर आबंटित किये जाने के संबंध में ज्ञापन जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है, जिसके संबंध में इस न्यायालय में राजस्व प्रकरण क्रमांक 202408123100001/ब-121/ वर्ष 2023-24 दर्ज किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है जिसमें आगामी पेशी दिनांक 19.03.2025 को नियत है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो, नियत तिथि तक स्वयं अथवा अपने द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि/अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04.03.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील-मुद्रा सहित जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
कोमाखान

Office of the Superintending Engineer, Chhattisgarh Rural Road Development Agency Project Circle No. 01 Bastar

E-Procurement Tender Notice
SHORT NOTICE INVITING BIDS

NIT No. 167 /TS 1690/CGRRDA/2025 Bastar Date 05/03/2025

The Superintending Engineer, Chhattisgarh Rural Road Development Agency, Project Circle No. 01 Bastar on behalf of Governor of Chhattisgarh invites Online percentage rate bids for Construction of roads under Niyad Nellanar Yojana by Special Central Assistance (SCA) Fund in District Sukma from the eligible contractors registered with unified registration system (e-registration with Public Works Department). Details are as under :-

S. No	Block	Name of Work	Tender Estimated Cost (in lakhs)	No. of Call	SOR Applied
1	2	3	4	5	6
1	Konta	Idjepal to Guphapal, Length 2.10	58.30	2nd Call	SOR of CGRRDA W.e.f. 22.02.2018

Date of release of Invitation for Bids through e-procurement: 07/03/2025 After 17:30 Hours.

Superintending Engineer
Chhattisgarh Rural Road
Development Agency, Project Circle
No. 01 Bastar Dist. Bastar (C.G.)
E-mail: circle1jdp@gmail.com

S-43143/1

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, बस्तर मण्डल, जगदलपुर

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-
निविदा डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि :- 18/03/2025

स. क्र.	नि.आ.सू.क्र. / नि.आ.सू. दिनांक	सिस्टम निविदा क्रमांक निविदा का क्रम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमाति लागत (रूपये लाख में)
1	2	3	4	5
1	120/2024-25 दिनांक 05/03/2025	165520 (द्वितीय आमंत्रण)	सामसुली से डोंगिनपारा मार्ग में पारिया नाला पर 8 मी. X 3 स्पान माईनर ब्रिज का पार्ट -01, 02 व 03 निर्माण कार्य ।	110.97
2	121/2024-25 दिनांक 05/03/2025	165522 (द्वितीय आमंत्रण)	बडेसेट्टी से गंधारपारा मार्ग में मुलेर नाला पर 8 मी. 3 स्पान माईनर ब्रिज का पार्ट -01, 02 व 03 निर्माण कार्य ।	110.97

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग बस्तर
मंडल जगदलपुर

G-242505820/4

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय अधीक्षण अभियंता जल संसाधन एवं भू-जल सर्वेक्षण मंडल सिहावा भवन परिसर, सिविल लाईन्स, रायपुर (छ.ग.)

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 165502/ निविदा सूचना क्रमांक 23/वलेलि/2024-25, गरियाबंद, दिनांक 06.03.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक **27.03.2025** समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : गरियाबंद जिले के विकासखण्ड छुरा की झरझरा व्यपवर्तन योजना के नहर में 01 नग डी.सी. निर्माण तथा आर.डी. 0 मी. से 850 मी. तक आर.सी.सी. ओपन चैनल का निर्माण एवं पक्के संरचनाओं का मरम्मत कार्य ।

अनुमानित लागत : रूपये 135.12 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर दिनांक **13.03.2025 समय 17:31 बजे** से देखे तथाडाउनलोड किये जा सकते हैं ।

नोट:- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर नामांकित/ पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, गरियाबंद कृते,
अधीक्षण अभियंता, जल संसाधन एवं
भू-जल सर्वेक्षण मंडल, रायपुर (छ.ग.)

G-242505817/4

सपनों से हक़ीक़त तक भारत की शीर्ष महिला उद्यमियों की सफलता

नई दिल्ली। भारतवर्ष एक सम्पन्न परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों से समृद्ध देश है, जहाँ महिलाओं का समाज में प्रमुख स्थान रहा है। आज महिलाएं भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उन्होंने हर क्षेत्र में एक अद्भुत प्रभाव डाला है और सफलता हासिल की है। हालाँकि वर्तमान में भारतीय महिलाएँ शिक्षण व चिकित्सा जैसे पारंपरिक व्यवसायों से आगे बढ़कर उद्यम की दुनिया में भी हाथ आजमा रही हैं। ऐसे में यह बेहद प्रासंगिक है कि कुछ चुनिंदा महिला उद्यमियों की उपलब्धियों के बारे में बात की जाए।

वंदना लूथरा

वंदना लूथरा एक वीएलसीसी हेल्थ केयर लिमिटेड की संस्थापक हैं। उन्होंने भारतीय स्वास्थ्य और सौंदर्य उद्योग में उल्लेखनीय योगदान दिया है 1989 में, वंदना ने नई दिल्ली में वीएलसीसी की स्थापना की। उस समय, भारत में स्वास्थ्य और सौंदर्य सेवाओं का एक व्यवस्थित उद्योग नहीं था। वीएलसीसी का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य और सौंदर्य से संबंधित समस्याओं के लिए संपूर्ण समाधान प्रदान करना है। वीएलसीसी अब एक प्रमुख ब्रांड है, जो वेट मैनेजमेंट, स्किन केयर, और ब्यूटी ट्रीटमेंट्स में विशेषज्ञता रखता है।

कल्पना सरोज

महिला उद्यमियों की इस सूची में पहला नाम कल्पना सरोज का है। कल्पना सरोज आज उद्यमी और कमानी ट्यूब्स की चेयरपर्सन हैं। उन्हें अक्सर पहली 'स्लमडॉग मिलियनेयर' के रूप में जाना जाता है। उनकी सफलता की राह आसान नहीं थी लेकिन उन्होंने दुनिया को दिखा दिया कि अगर आपको खुद पर भरोसा है तो सब कुछ संभव है। वे प्रतिदिन दो रुपए की मजदूरी से शुरुआत कर दो हजार करोड़ के साम्राज्य की मालकिन बन गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 17 सालों से बंद पड़ी 'कमानी ट्यूब्स' को मालिकों के हाथ से लेकर श्रमिकों को चलाने के लिये दे दी। तब श्रमिक कल्पना के पास मदद के लिये आए और वर्ष 2000 में कल्पना ने कंपनी के सारे विवाद, सारे ऋणों का निपटारा करवाया व कोर्ट की हर सुनवाई में जाने लगीं।

देविता सराफ

देविता सराफ वु टेलीविजन की संस्थापक, चेयरमैन व सीईओ हैं। इन्होंने 24 वर्ष की उम्र में स्मार्ट टीवी बनने की शुरुआत की थी। उन्होंने टीवी और कंप्यूटर के फीचर्स को मिलाकर एडवांस्ड टीवी बनाया। इसमें यूट्यूब, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स सहित डीटीएच चैनलों का भी आनंद लिया जा सकता है। वर्ष 2006 में लोगों तक इस प्रोडक्ट को पहुँचाना और उन्हें इसके लिए राज़ी करना बड़ी चुनौती थी। यही कारण है कि उन्हें सफलता के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। उनकी कंपनी ने शुरुआती 8 वर्षों में सिर्फ 30 करोड़ रुपए का बिजनेस किया जबकि अगले 4 वर्षों में 1000 करोड़ रुपए का कारोबार कर डाला। 2019 में 'फॉर्च्यून इंडिया भारत की सबसे शक्तिशाली 50 महिलाओं' की सूची में देविता अपना नाम दर्ज करा चुकी हैं।

अरुंधती भट्टाचार्य

ये भारत के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंक, भारतीय स्टेट बैंक की अध्यक्ष के रूप में सेवा करने वाली पहली महिला थीं। 1977 में अरुंधती एक अधिकारी के रूप में बैंक में शामिल हुईं।अरुंधती भट्टाचार्य भारतीय बैंकिंग जगत की प्रमुख हस्ती हैं। वह भारतीय स्टेट बैंक की पहली महिला चेयरपर्सन बनीं, और उन्होंने 2013 से 2017 तक इस पद पर कार्य किया। उनके नेतृत्व में एसबीआई ने कई महत्त्वपूर्ण सुधार और योजनाएँ लागू किए, जिससे बैंक की स्थिति मजबूत हुई। उनकी सेवाओं के लिए उन्हें विभिन्न पुरस्कार और सम्मान मिले हैं।

राधिका अग्रवाल

राधिका अग्रवाल भारतीय ई-कॉमर्स कंपनी शॉप क्यूस की सह-संस्थापक और मुख्य व्यवसाय अधिकारी हैं। उन्होंने 2011 में संदीप अग्रवाल और संजय सेठी के साथ मिलकर शॉप क्यूस की स्थापना की। राधिका अग्रवाल ने कंपनी को भारत में एक प्रमुख ऑनलाइन मार्केटप्लेस के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विनीता सिंह

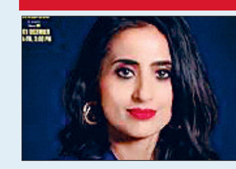

सफल महिला उद्यमियों में विनीता सिंह का भी नाम है। विनीता सिंह 'शुगर कॉस्मेटिक्स' की सह-संस्थापक और सीईओ हैं। उन्होंने भारतीय ब्यूटी और पर्सनल केयर इंडस्ट्री में एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। 2015 में, विनीता सिंह ने कौशिक मुखर्जी के साथ मिलकर शुगर कॉस्मेटिक्स की स्थापना की। यह ब्रांड उच्च गुणवत्ता वाले और किफायती सौंदर्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। शुगर कॉस्मेटिक्स तेजी से लोकप्रिय हुआ और आज यह भारत के सबसे प्रमुख ब्यूटी ब्रांड्स में से एक है।

किरण मजूमदार शॉ

किरण मजूमदार शॉ बायोकॉन लिमिटेड की संस्थापक और चेयरपर्सन हैं। 1978 में उन्होंने अपने घर के गैरेज से 'बायोकॉन' की स्थापना की, जो शुरुआत में औद्योगिक एंजाइम बनाने का काम करती थी। बायोकॉन लिमिटेड अब एक बायोफार्मास्यूटिकल कंपनी है, जो बायोथैरेप्यूटिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, और अन्य जैविक उत्पादों के अनुसंधान और निर्माण में अग्रणी है। किरण मजूमदार शॉ को पद्म श्री, पद्म भूषण जैसे पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

फाल्गुनी नायर

इसके बाद नाम आता है फाल्गुनी नायर का, जिन्हें 'भारतीय स्टार्टअप क्वीन' भी कहा जाता है। ये इन्वेस्टमेंट बैंकर से उद्यमी बनीं। ये ब्यूटी और लाइफस्टाइल रिटेल कंपनी नायका की संस्थापक और सीईओ हैं। नायर दो स्व–निर्मित महिला भारतीय अरबपतियों में से एक हैं। अप्रैल 2012 में नायर ने सौंदर्य और स्वास्थ्य उत्पादों की एक श्रृंखला को क्यूरेट करने वाले ई–कॉमर्स पोर्टल के रूप में 'नायका' की स्थापना की। 'नायका एक महिला द्वारा संचालित पहला भारतीय यूनिकॉर्न स्टार्टअप बन गया। 1600 से अधिक लोगों की टीम का नेतृत्व करते हुए फाल्गुनी ने नायका को एक ब्यूटी और लाइफस्टाइल रिटेल एम्पायर में तब्दील किया है, जो देश में अपने खुद के लेबल सहित 1500 प्लस ब्रांड्स के पोर्टफोलियो के साथ भारत के अग्रणी ब्यूटी रिटेलर के रूप में उभरा है।

भारत में इस साल औसत वेतन वृद्धि 8.8% रहने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- डेलॉयट इंडिया ने अपने रिपोर्ट में अनुमान जताया
- वेतन वृद्धि वर्ष 2024 में नौ प्रतिशत रही थी

भारतीय कंपनियां वैश्विक और स्थानीय चुनौतियों से निपटते हुए अपने कर्मचारियों की पारिश्रमिक लागत से जुड़े बजट को अनुकूलतम बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं जिससे इस साल औसत वेतन वृद्धि 8.8 प्रतिशत रह सकती है।

वित्तीय परामर्श कंपनी डेलॉयट इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2025 के लिए वेतन वृद्धि 8.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो वर्ष 2024 में नौ प्रतिशत रही थी। इसके साथ ही रिपोर्ट कहती है कि 75 प्रतिशत कंपनियां या तो वेतन वृद्धि कम कर देंगी या पिछले वर्ष के समान ही रखेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, जहां अधिकांश क्षेत्र वेतन वृद्धि को पिछले वर्ष की तुलना में स्थिर या मामूली रूप से कम रखेंगे, वहीं उपभोक्ता उत्पाद क्षेत्र में वेतन वृद्धि बजट में उल्लेखनीय कमी की उम्मीद है। डेलॉयट इंडिया में साझेदार प्रखर त्रिपाठी ने कहा, "कंपनियों की आय वृद्धि सुस्त पड़ने से उनका वेतन बजट स्वाभाविक रूप से दबाव में आ रहा है। नियंत्रित छंटनी और मध्यम मुद्रास्फीति कंपनियों को प्रतिभा परिणामों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किए बिना वेतन वृद्धि को अनुकूलित करने में मदद कर रही है।"

कंपनियां प्रतिभाएं बनाए रखने पर दे रही ध्यान

डेलॉयट इंडिया टैलेंट आउटलुक-2025 रिपोर्ट सात क्षेत्रों की 500 से अधिक कंपनियों के निर्णयकर्ताओं के बीच किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियों के प्रमुख प्रतिभाओं को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

शीर्ष प्रदर्शन वाले कर्मियों को मिलेगा अधिक वेतन

शीर्ष प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी औसत प्रदर्शन करने वालों की तुलना में 1.7 गुना वेतन वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में कुछ कम है। इसमें कहा गया है कि व्यक्तिगत योगदानकर्ता और कनिष्ठ प्रबंधन स्तर के कर्मचारी शीर्ष प्रबंधन स्तर की तुलना में 1.3 गुना वेतन वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं।

जनवरी-फरवरी में चीन के निर्यात, आयात में कमी

हांगकांग। चीन के निर्यात में जनवरी और फरवरी में सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो अनुमान से कम है आयात-निर्यात के मोर्चे पर साल की धीमी शुरुआत हुई। निर्यात में सालाना आधार पर पांच प्रतिशत की वृद्धि होगी। 2025 के पहले दो महीनों में चीन का कुल व्यापार अधिशेष बढ़कर 170.52 अरब डॉलर हो गया। चीन की सीमा शुल्क एजेंसी आमतौर पर सप्ताह भर चलने वाले चंद्र नववर्ष की छुट्टियों के चलते जनवरी और फरवरी के व्यापार आंकड़े एक साथ प्रकाशित करती है।

पतंजलि का मेगा खाद्य संयंत्र रविवार से होगा शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नागपुर

पतंजलि आयुर्वेद ने शुक्रवार को कहा कि नागपुर में 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित उसका मेगा खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र रविवार से चालू हो जाएगा।

कंपनी ने कहा कि नागपुर के मिहान में 1,500 करोड़ रुपये के कुल निवेश से 'पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क' का उद्घाटन नौ मार्च को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और योग गुरु रामदेव सहित अन्य की मौजूदगी में किया जाएगा। पार्क में प्रतिदिन 800 टन उत्पादन क्षमता वाली फल एवं सब्जी प्रसंस्करण इकाइयां होंगी। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह संयंत्र क्षेत्र में कृषि क्रांति लाएगा और विदर्भ के किसानों के जीवन में खुशहाली लाएगा। बालकृष्ण ने कहा कि नागपुर में पतंजलि का संतरा प्रसंस्करण संयंत्र एशिया में सबसे बड़ा और सबसे उन्नत है।

आइनॉक्स विंड को तमिलनाडु में आपूर्ति का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली। आईनॉक्स विंड लि. (आईडब्ल्यूएल) को एक वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी से तमिलनाडु में 51 पवनचक्कियों की आपूर्ति का नया ऑर्डर मिला है। आईनॉक्स विंड ने शुक्रवार को बयान में कहा कि प्रत्येक टर्बाइन की क्षमता तीन मेगावाट होगी, जिससे ऑर्डर की कुल क्षमता 153 मेगावाट हो जाएगी। कंपनी ने कहा, "आइनॉक्स विंड ने घोषणा की है कि उसे तमिलनाडु में कंपनी द्वारा विकसित की जा रही एक परियोजना के लिए अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी से 153 मेगावाट का ऑर्डर मिला है। इसके अलावा, आईडब्ल्यूएल परियोजना के लिए सीमित दायरे की इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) के साथ-साथ टर्बाइन के चालू होने के बाद बहु-वर्षीय संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) सेवाएं भी प्रदान करेगा।

मलेशिया के एमपीओसी व ओटीएआई के बीच करार

नई दिल्ली। मलेशियाई पाम तेल परिषद (एमपीओसी) और ऑयल टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ओटीएआई) ने भारतीय बाजार में मलेशियाई पामतेल के पोषण और स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सतत रूप से व्यापार को बढ़ावा देना है। मलेशियाई पामतेल के लिए महत्वपूर्ण बाजार भारत समझौते के तहत गलत धारणाओं को दूर करने और स्वास्थ्य, पोषण और औद्योगिक अनुप्रयोगों में पामतेल की भूमिका को उजागर करने के लिए लक्षित जागरूकता अभियान चलाएगा।

व्यापार युद्ध की चिंताओं से शेयर बाजार की तेजी थमी

मुंबई । वैश्विक व्यापार युद्ध को लेकर बनी अनिश्चितताओं से निवेशकों ने शुक्रवार को घरेलू बाजार में जोखिम लेने से परहेज किया। इससे बेहद उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में प्रमुख सूचकांक लगभग स्थिर स्तर पर बंद हुए। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में बिकवाली के रुख और घरेलू बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी का सिलसिला जारी रहने से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स दो दिनों की बढ़त के बाद 7.51 अंक फिसलकर 74,332.58 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 246.34 अंक चढ़कर 74,586.43 पर पहुंच गया था।

आम सूचना

एतद द्वारा सर्व साधारण व आम आदमी / संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री रवि मलिक पिता श्री रमेश चंद्र भोला, पता- शंकर नगर, रायपुर छ.ग. ने विक्रेता श्री सुनील कुमार जैन, पिता श्री प्रताप सिंह जैन, निवासी- टाटीबंध, रायपुर, तहसील व जिला- रायपुर छ.ग. के हक, आधिपत्य व स्वामित्व की संपत्ति जो कि वाके मौजा- ग्राम अहिवारा, प.ह.न.- 00005, रा.नि.म.- अहिवारा, तहसील- अहिवारा, जिला- दुर्ग छ.ग. खसरा नं.- 898/2 रकबा 0.20 हे. (50 डीसमिल) कृषि भूमि है, का बिक्री इकरारनामा कर ब्याना राशि प्रदान कर दी गई है व बकाया प्रतिफल अदायगी उपरांत बैनामा पंजीयन कराया जाना शेष है।

अतः उपरोक्त सौदे एवं संव्यवहार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निगम, शासकीय व अशासकीय विभाग या अन्य किसी को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो अथवा उक्त सम्पत्ति या उसके किसी भी भाग पर किसी प्रकार का स्वत्व, हक, अधिकार या भार हो तो वे इस आम सूचना प्रकाशन के दिनांक से 07 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति लिखित में मय सुसंगत दस्तावेजों के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत करें एवं आम सूचना का खंडन किसी भी दैनिक समाचार पत्र में स्वीकार नहीं किया जायेगा। यह कि उक्त समयावधि के अवसान पश्चात मेरे पक्षकार के द्वारा उक्त वर्णित सम्पत्ति के विक्रय विलेख का निष्पादन व पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा तत्पश्चात प्रस्तुत की गई किसी भी प्रकार की उजर, दावा एवं आपत्ति आदि असत्य झूठा एवं सारहीन माना जावेगा तथा ऐसा आपत्ति मेरे पक्षकार के उपर मान्य एवं बंधनकारी नहीं होगा। उपरोक्तानुसार सूचना जानें।

रायपुर छ.ग.

दिनांक :- 07/03/2025

आर. नीरज रमन अधिवक्ता
पता :- बैरन बाजार, रायपुर छ.ग.
मो.- 7000164693

NOTICE
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR
797-II, Shantikunj, South Civil Lines, Jabalpur (M.P.) 482001
Form No. 4 [See Regulation-15(1)(b)]
NOTICE UNDER SECTION 17 OF SECURITIZATION ACT R/W PROVISIONS OF THE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL ACT AND THE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL (PROCEDURE) RULES, 1993 AS AMENDED FROM TIME TO TIME
Securitisation Application No. 319/2020
In the matter of:
Shri Padmesh Deodutta Gupta : Applicants -Versus- L&T Infrastructure Finance Co. Ltd. : Respondents
To. 3. Raipur Development Authority Constituted Under Provision Of CG Nagpur Ttha Gran Nivesh Adhiniyam, 1973 Bajarang Market GE Road Raipur Chhattisgarh Through its Chief Executive Officer

An application under Section 17(1) of the Securitization & Reconstruction of Financial Assets & Enforcement of Security interest Act, 2002 has been filed before this Tribunal (A copy of application is enclosed).

Show cause as to why the relief prayed for should not be granted. You are required to file reply, if any, in your defence in the paper book form in two complete sets and produce all the documents and affidavit in your support in the Tribunal personally or through your duly authorized agent or legal practitioner and appear before this Tribunal on **17th day of March, 2025 at 10.30 A.M.** failing which the application shall be heard and decided in your absence. You are further directed to supply advance copy of the reply to the SA to the Counsel for the Applicants.

Given under my hand and the seal of this Tribunal on this **07th day of Jan, 2025**.

Seal — By order of Tribunal
Sd/- Registrar
Vision4media 9767867322

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्युशन कं. लिमि.
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.मं. की एक उत्तरवर्ती कंपनी)

बिजली बंद की सूचना

समस्त सम्मानीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 33/11 के.व्ही. धनसीर सब स्टेशन में 3.15 एम.व्ही.ए. पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापना कार्य हेतु दिनांक 08.03.2025, दिन - शनिवार को धनसीर सबस्टेशन से निकलने वाली समस्त 11 के.व्ही. फीडर से संबंधित सभी ग्रामों की विद्युत आपूर्ति प्रातः 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक बंद रहेगी। उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है, आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा का संरक्षण करें।

(बी. के. वर्मा 91549939)
कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग
छ.स्टे.पॉ. डिस्ट्री.कं.लिमि.कसडोल

कार्यालय नगर पंचायत इंदौरी, जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

क्र./506/न.पं./ लो.नि.वि./ 2024-25 — // मैनुअल पद्धति से द्वितीय निविदा आमंत्रण // — इंदौरी दिनांक 07/03/2025

एतद् द्वारा नगर पंचायत इंदौरी द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग में प्रचलित पी.डब्ल्यू.डी. एस.ओ. आर (भवन/सड़क) 01/01/2015 के तहत निविदा तीन लिफाफा पद्धति से रिजिस्टर्ड डॉक /स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रतिशत दर पर फार्म "ए" में निम्न विवरण अनुसार निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 17.03.2025 अपरान्ह 5:00 बजे तक 2. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथिः-18.03.2025 अपरान्ह 5:00 बजे तक
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः- 24.03.2025 अपरान्ह 3.00 बजे तक 4. निविदा खोलने की तिथि :- 24.03.2025 अपरान्ह 04.00 बजे ।

क्र.	कार्य का विवरण	लागत राशि
1	छोटे रगरा में गुरूघासीदास चौक निर्माण कार्य	19.91 लाख
2	महामाया मंदिर के पास माँ कर्मा चौक निर्माण कार्य ।	19.37 लाख
3	विधायक कार्यालय के पास हाईमास्ट लाईट ।	5.95 लाख
4	पुराना / नया बाजार चौक के पास हाईमास्ट लाईट ।	5.59 लाख
5	माँ चण्डी मंदिर के पास हाईमास्ट लाईट ।	5.59 लाख
6	मांगी लाल के घर के पास हाईमास्ट लाईट ।	5.59 लाख
7	छोटे रंगरा से विष्णु के घर होते हुए किशन टेलर के घर तक स्ट्रीट लाईट ।	19.19 लाख
8	महेतरू के घर से बहारमुड़ा गेट तक स्ट्रीट लाईट ।	19.19 लाख
9	बड़े मुक्तिधाम से चण्डी माता होते हुए बाजार चौक तक स्ट्रीट लाईट ।	19.19 लाख
10	हाईस्कूल चौक से नंद गोड़ के घर होते हुए बाजार चौक तक स्ट्रीट लाईट ।	19.34 लाख
11	महेतरू के घर से श्याम लाल टोडरे के घर होते हुए प्रताप सतनामी के घर तक स्ट्रीट लाईट ।	19.49 लाख
12	वार्ड क्र. 06/12 में मेन रोड से रवि यादव के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य ।	19.22 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेब साईट http://uad.cg.gov.in पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत इंदौरी

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका — सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है

सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देंखे ....
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE — छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट — सिंघानिया स्किन केयर, 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311, Email:bsinghania111@yahoo.co.in — Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre, रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर — मो. 94252-14479, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com, त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल — छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल — डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified) — सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) — फोन: 0771-4044551 — समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी — डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ — गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश) — स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी — अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर) जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001) फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037 — लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित्त की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ — प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक मो. 9977247553 नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक — सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। * आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव * — बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) — आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता। — डायबिटिक क्लीनिक Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre — Diabetic Clinic — Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304 — 17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण — पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल (आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध) — श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट) — स्किन क्लिनिक — सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी — चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

बांठिया हॉस्पिटल राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.) फोन: 0771-2425009, 2424737 — आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

खबर संक्षेप

डब्लूपीजीए रद्द : दीक्षा प्रणवी, अवनि निराश

गोल्ड कोस्ट। भारतीय महिला गोल्फरों दीक्षा डागर, प्रणवी उर्स और अवनि प्रशांत के लिए यह सप्ताह निराशाजनक रहा क्योंकि अल्फ्रेड तूफान के प्रभाव की आशंका से आस्ट्रेलियाई डब्लूपीजीए चैंयनशिप और गोल्ड कोस्ट गोल्फ फेस्टिवल रद्द कर दिया गया। मौसम के अनुमान और आयोजकों से मशविरे के बाद लेडीज यूरोपीय टूर ने यह अभूतपूर्व फैसला लेते हुए पहले दिन के खेल से पूर्व टूर्नामेंट रद्द कर दिया। दीक्षा लेडीज यूरोपीय टूर पर दो बार की विजेता है जबकि प्रणवी और अवनि ने घरेलू टूर पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

युवा साक्षी की नजरें जूनियर विश्व कप पर

नई दिल्ली। हॉकी प्रो लीग में सीनियर टीम के साथ सफल पदार्पण के बाद युवा फॉरवर्ड साक्षी राणा अब अपनी रफ्तार पर काम कर रही है और उनकी नजरें चिली में इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन पर लगी है।

सत्रह वर्ष की साक्षी ने स्पेन के खिलाफ पदार्पण मैच में गोल किया हालांकि भारत वह मुकाबला 3-4 से हार गया था। साक्षी ने कहा, 'मैं लंबे समय से पदार्पण का इंतजार कर रही थी लिहाजा इसे लेकर बहुत खुश हूं। मैं मैच से पहले इतनी नर्वस नहीं थी क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा समर्थन किया और मुझे कहा कि तुम्हारे पहले मैच में कोई गलती नहीं है लिहाजा खुलकर खेलो।'

विलियमसन बनाम भारतीय स्पिनर, चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में कल होगा रोचक मुकाबला

भारत ने 2013 के बाद से नहीं जीती है चैंपियंस ट्रॉफी

एजेंसी ▶▶| दुबई

फॉर्म में चल रहे भारतीय स्पिनरों और न्यूजीलैंड के धाकड़ बल्लेबाज केन विलियमसन के मुकाबले पर भी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में सभी की नजरें होंगी और यह मैच का निर्णायक पहलू भी साबित हो सकता है। न्यूजीलैंड ने आखिरी बार आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी वर्ष 2000 में जीती थी जब भारत को चार विकेट से हराया था। इसके बाद से आईसीसी 50 ओवरों के खिताब के लिए टीम इंतजार कर रही है। दूसरी ओर भारत ने 2013 के बाद से चैंपियंस ट्रॉफी नहीं जीती है और इस मैच में टीम फिर चार स्पिनर उतार सकती है।

फाइनल मैच दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की उसी पिच पर खेला जाएगा जिस पर पाकिस्तान के खिलाफ मैच हुआ था। उसमें स्पिनरों को काफी मदद मिली थी। ऐसे में हालात के अनुकूल ढलने का विलियमसन का कौशल और तकनीकी महारत न्यूजीलैंड के लिए अहम होगी। भारत के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में 81 रन बनाकर वह इसे फिर साबित कर ही चुके हैं। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड का मानना है कि भारत का चौतरफा स्पिन आक्रमण चुनौतीपूर्ण होगा।

स्पिन आक्रमण चुनौतीपूर्ण

स्टीड ने कहा, 'हमारे खिलाफ शायद वह स्पिन रणनीति को अपनाएंगे लेकिन हमारे पास भी चार स्पिनर हैं। हमारी टीम संतुलित है लेकिन चौतरफा स्पिन आक्रमण चुनौतीपूर्ण होगा। उनके पास बेहतरीन स्पिनर हैं। हमें हालात के अनुरुप ढलना होगा और हमारे सभी बल्लेबाज अपनी रणनीति बनाकर भारतीय स्पिनरों के सामने उतरेंगे।'

केन में काबिलियत

भारत के वरुण चक्रवर्ती के पास विविधता है जिसमें लेग ब्रेक और सीम लेती गेंदें शामिल हैं। उन्होंने मिचेल सेंटनेर को 113 किमी की रफ्तार वाली गेंद पर आउट किया था। ऐसे में स्टीड की रणनीति का अहम हिस्सा विलियमसन होंगे जिन्होंने वनडे क्रिकेट में स्पिनरों के खिलाफ 47 की औसत से 2952 रन बनाए हैं। स्टीड ने कहा, 'वह बड़े मैचों का खिलाड़ी है और कई बार न्यूजीलैंड के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर चुका है। क्रिकेट के खेल में रनों की गारंटी नहीं होती लेकिन मुझे पता है कि केन रन बनाने की पूरी कोशिश करेगा। वह दुनिया के चुनिंदा क्रिकेटरों में से है जिनमें विभिन्न पिचों के अनुरुप ढलने की कमाल की काबिलियत है।'

हेनरी चोटिल, न्यूजीलैंड को लगा बड़ा झटका

दुबई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी कंधे की चोट चोट के कारण भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल से बाहर हो सकते हैं हालांकि कोच गैरी स्टीड को उम्मीद है कि वह रविवार को फाइनल तक ठीक हो जाएंगे। हेनरी ने अब तक टूर्नामेंट में सर्वाधिक दस विकेट लिए हैं जिसमें भारत के खिलाफ ग्रुप मैच में पांच विकेट शामिल है। तैंतीस वर्ष के हेनरी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लाहौर में बुधवार को सेमीफाइनल के दौरान घायल हो गए थे। स्टीड ने कहा, 'मैट के कंधे में चोट लगी है और वह असहज महसूस कर रहा है। उसका स्कैन कराया गया है और उम्मीद है कि वह मैच तक फिट हो जाएगा।'

वाणी कपूर ने जीता लगातार दूसरा डब्लूपीजीटी खिताब

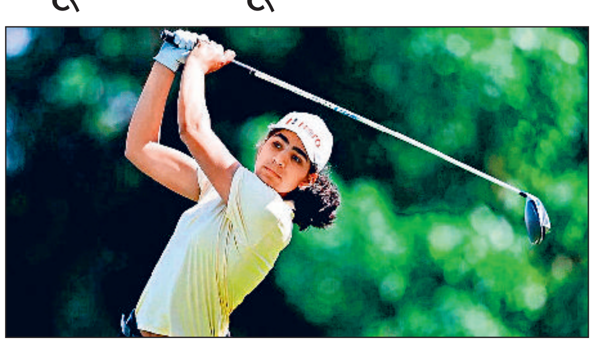

एजेंसी ▶▶| गुरुग्राम

भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने शुक्रवार को यहां बैक नाइन पर एक बर्डी और आठ पार से एक अंडर 71 का शानदार कार्ड खेला जिससे वह आसानी से हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के पांचवें चरण का खिताब जीतने में कामयाब रहीं। वाणी इस तरह रिद्धिमा दिलावारी(70) और रिया झा (73) पर तीन शॉट से आगे रहीं और लगातार दूसरा खिताब हासिल किया। उन्होंने पिछले महीने चौथा चरण भी जीता था। डब्ल्यूपीजीटी के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार वाणी ने 70-75-71 के कार्ड खेले जिससे 54 होल में उनका कुल स्कोर इवन पार 216 का रहा।

जीत के साथ विदाई लेने उतरेंगे वारियर्स

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर खड़ी यूपी वारियर्स शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ मैच में जीत के साथ महिला प्रीमियर लीग के इस सत्र से विदा लेना चाहेगी और इसके लिये मध्यक्रम के उसके बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

यूपी की टीम ने कई मौके गंवाए और एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही। सात मैचों में महज चार अंक के साथ वह तालिका में सबसे नीचे है और तकनीकी दौर पर ही दौड़ में बनी हुई है।

40 लाख की ईनामी 7 महिला समेत 11 माओवादियों ने किया समर्पण

नारायणपुर जिले के माड़ डिवीजन में सक्रिय 40 लाख के ईनामी 7 महिला समेत 11 माओवादी समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए। सभी ने नारायणपुर एसपी के अलावा आईटीबीपी व बीएसएफ के अधिकारियों की मौजूदगी में शुक्रवार को समर्पण किया। आत्मसमर्पित नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि 25-25 हजार रुपए का चेक प्रदान किया गया वहीं उन्हें नक्सल उन्मूलन नीति के तहत मिलने वाली अन्य सुविधाएं दी जाएगी।

खास बातें
- नियद नेल्लानार योजना के तहत स्थापित जनसुविधा एवं सुरक्षा कैम्प से थे प्रभावित
- माड़ डिवीजन के डीवीसीएम कमांडर व पीपीसीएम सेक्सन कमाण्डर भी शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

माड़ बचाओ अभियान से प्रभावित होकर और नक्सल संगठन की क्रूर विचारधारा से तंग आकर सभी ने बिना हथियार पुलिस के समक्ष सरेंडर किया है। सक्रिय नक्सलियों के आत्मसमर्पण से क्षेत्र में नक्सल मुक्त माड़ की सपना हो रहा है। जिले में वर्ष 2024-2025 में अब तक कुल 92 माओवादी समर्पण कर चुके है। समर्पण के दौरान एसपी नारायणपुर प्रभात कुमार के अलावा मोहम्मद ओबैदुल्लाह खान टूआईसी 41 वीं बटालियन आईटीबीपी, संजीव कुमार 135 वी बटालियन बीएसएफ, एएसपी रोबिनसन गुड़िया, सुशील कुमार नायक, ऐश्वर्य चन्द्रकार, जितेन्द्र कुमार खंतवाल उप सेनानी 41 वीं बटालियन आईटीबीपी, अनिल चव्हाण सहायक सेनानी 41वीं बटालियन आईटीबीपी, डीएसपी प्रशांत देवांगन, आशीष नेताम, कुलदीप बंजारे, अविनाश कवंर, अमृता पैकरा व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

समर्पित नक्सलियों में यह शामिल

समर्पित नक्सलियों में माड़ डिवीजन में सक्रिय 8 लाख के ईनामी सीवॉयपीसी कम्पनी नम्बर 6 व डीव्हीसीएम कमाण्डर सन्नू उर्फ मंगेश व डीव्हीसीएम कुतुल एरिया कमेटी सन्तु उर्फ बदरू वड़दा के अलावा 5 लाख की ईनामी पीपीसीएम माड़ डिवीजन कम्पनी 1 की सेक्सन कमाण्डर जनिला उर्फ जलको कोरिम, 3-3 लाख के ईनामी सुक्की मण्डावी, शांति कोवाची, मासे उर्फ क्रांति वड़दा, सरिता उसेण्डी 2-2 लाख के ईनामी मंगती, देवाराम उर्फ कारू, रतन उर्फ मुकेश पुनेम तथा 1 लाख की ईनामी कला उर्फ सुखमती उर्फ कोटली शामिल है।

हरियाणा में बड़ा हादसा, वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर क्रैश

पायलट ने पैराशूट की मदद से बचाई जान

एजेंसी ▶▶| पंचकूला

हरियाणा के पंचकूला स्थित मोरनी के बालदवाला गांव के पास शुक्रवार को भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। भारतीय वायुसेना के अधिकारी ने बताया कि विमान ने प्रशिक्षण उड़ान के लिए अंबाला एयरबेस से उड़ान भरी थी। पायलट पैराशूट से उतरकर अपनी जान बचाने में कामयाब रहा। अधिकारी ने बताया कि इस दुर्घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। हालांकि माना जा रहा है कि विमान तकनीकी खराबी के कारण हादसे का शिकार हुआ है।

लहराते हुए जंगल में गिरा विमान

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान लहराते हुए पेड़ों से टकराता हुआ जंगल के बीच एक खाई में गिरा था। विमान के गिरते ही उसमें आग लग गई और वह कई टुकड़ों में बंट गया। विमान के टुकड़े आसपास के क्षेत्रों में बिखरे पाए गए हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और वायुसेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

ललित मोदी पर जारी रहेगी कानूनी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत के भगोड़े आर्थिक अपराधी ललित मोदी ने प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश वानुआतु की नागरिकता ले ली है। उसने अपने भारतीय पासपोर्ट के समर्पण के लिए लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में एक आवेदन भी किया है। लेकिन उसके खिलाफ आर्थिक अपराध से जुड़े हुए विभिन्न मामलों पर सरकार की कार्रवाई जारी रहेगी। यह जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को नियमित मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए प्रश्न के जवाब में दी। उन्होंने बताया कि ललित मोदी ने भारतीय पासपोर्ट के समर्पण के लिए हमारे उच्चायोग में एक आवेदन किया है। जिसकी पासपोर्ट जमा करने के नियमों और उससे जुड़ी हुई अन्य प्रक्रियाओं के तहत जांच की जाएगी।

बिहार के रेड लाइट इलाके से मिलीं छत्तीसगढ़ की 41 नाबालिग लड़कियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

रोहतास में पुलिस का एक्शन, चार दलाल भी गिरफ्तार

पड़ोसी राज्य बिहार के रोहतास शहर के रेड लाइट इलाके में पुलिस ने दबिश देकर कार्रवाई की। इस कार्रवाई में छत्तीसगढ़ प्रदेश की 41 नाबालिग लड़कियां मिलीं हैं। इनके साथ ही तीन नाबालिग लड़के एवं चार दलाल भी गिरफ्तार किए गए हैं। इन लड़कियों में प्रदेश के आधा दर्जन से अधिक जिलों की लड़कियां शामिल है। इन नाबालिग लड़कियों को यहां ऑर्केस्ट्रा में डांस कराने के नाम पर देह व्यापार में धकेल दिया गया था। करीब 2 साल से नाबालिग लड़कियों से देह व्यापार करवाया जा रहा था। मिली जानकारी के अनुसार बिहार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दूसरे प्रदेशों से नाबालिग लड़कियों को बुलाकर उन्हें जबरन देह व्यापार में धकेला जा रहा है। इस टिप के आधार पर रोहतास एसपी ने कार्रवाई के लिए एक स्पेशल टीम बनाई थी। जिसका नेतृत्व एसपी ही कर रहे थे। उनके साथ 60 की संख्या में पहुंचे पुलिस बल के जवान और महिला बटालियन की पुलिसकर्मी छापेमारी दल में शामिल थी। रोहतास के नटवार थाना क्षेत्र में स्पेशल टीम द्वारा दबिश दी गई। बुधवार की रात शुरू हुई छापेमारी सुबह तक चली।

ऑर्केस्ट्रा में काम के बहाने ले गए

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस की जांच में पता चला कि आरोपी दलाल ने छत्तीसगढ़ के रायपुर, राजनांदगांव, मुंगेली, दुर्ग, बलौदाबाजार, दुर्ग जैसे जिलों से नाबालिग लड़कियों को 30 से 40 हजार रुपए कमाने का लालच देकर ऑर्केस्ट्रा में डांस कराने के नाम पर बिहार लाया था। करीब 2 साल से नाबालिग लड़कियों से देह व्यापार करवाया जा रहा था। पुलिस ने इस मामले में हिरासत में लिए पांच लोगों के मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जिनकी जांच की जा रही है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि जांच में कई सफेदपोशों के नाम बाहर आ सकते हैं, जो डांस ग्रुप चलाने वालों को फाइनेंस करते हैं।

तहव्वुर के भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

- मुंबई हमलों के आरोपी को अमेरिकी कोर्ट से झटका

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की याचिका खारिज कर दी है। राणा ने अपनी याचिका में कहा था कि उसे भारत प्रत्यर्पित ना किया जाए। अपना प्रत्यपर्ण रोकने की मांग करते हुए राणा ने कोर्ट में इमरजेंसी अपील की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया। राणा ने अपनी अर्जी में कहा था कि पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम होने के कारण भारत में उसे यातना दी जाएगी। राणा पाक मूल का कनाडाई नागरिक है। उस पर मुंबई हमलों में शामिल होने का आरोप है। वह भारत में मोस्ट वॉन्टेड है। तहव्वुर राणा को अमेरिकी सरकार ने भारत को सौंपने का फैसला लिया है। राणा इस फैसले रोक के लिए अदालत से स्टे चाहता था। सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में राणा ने दलील दी कि उसे भारत को सौंपना अमेरिकी कानून और संयुक्त राष्ट्र के यातना विरोधी समझौते का उल्लंघन है।

नारायणपुर माइंस में आईईडी ब्लास्ट एक मजदूर की मौत, दूसरा गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

खास बातें
- जीरो पाइंट में नक्सलियों ने किया था आईईडी प्लांट
- घायल मजदूर का नारायणपुर जिला अस्पताल में उपचार जारी

नारायणपुर जिले के छोटेडोंगर थाना क्षेत्र स्थित आमदई में संचालित निको जायसवाल लौह अयस्क खदान के जीरो पाइंट में शुक्रवार सुबह नक्सलियों द्वारा प्लांट किए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से काम कर रहे दो मजदूर घायल हो गए। ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि एक मजदूर के पैर के चिथड़े उड़ गए। दोनों घायलों को गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया जा रहा था तभी एक मजदूर की मौत हो गई वहीं दूसरे मजदूर को छोटेडोंगर में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल नारायणपुर रेफर किया गया था। आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सुबह लगभग 10:45 बजे नारायणपुर के थाना छोटेडोंगर क्षेत्र में निको कपंनी द्वारा संचालित अमदई खदान में प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से दो मजदूर घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल नारायणपुर रेफर किया गया था।

नक्सलियों ने दी थी चेतावनी

सालभर पूर्व भी छोटेडोंगर थाना क्षेत्र में प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई थी और एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया था। हादसा उस समय हुआ जब मजदूर आमदई माइंस में काम करने जंगल के रास्ते से जा रहे थे तभी प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से मजदूर रितेश व श्रवण गागड़ा की मौत हो गई थी। उस समय नक्सलियों की पूर्वी बस्तर डिवीजन कमेटी की प्रवक्ता नीति ने प्रेसनोट जारी कर चेतावनी दी थी कि पहाड़ के उपर आमदई माईंस के अलावा नीचे सैकड़ों बम प्लांट कर रखे हैं, अभी एक फटा और भी फटेंगें।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रम्हवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com